दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K✌K

RNI No.61546/95

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा | वर्ष-32 अंक-94 | नर्मदापुरम (होशंगाबाद) मंगलवार 19 मई 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये | सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

यूपी में मैजिक को ट्रक ने मारी टक्कर, 10 लोगों की मौत, 3 गंभीर

लखीमपुर-खीरी,(ए.)। लखीमपुर-खीरी के ईशानगर थाना क्षेत्र के उंचा गांव के पास सोमवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में 09 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक की मौत अस्पताल ले जाते समय हुई। इस हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है।सूत्रों के मुताबिक सोमवार सुबह सवारियों से भरी एक मैजिक गाड़ी लखीमपुर से सिसैया जा रही थी। गाड़ी उंचा गांव के पास पहुंची ही थी कि बहराइच की ओर से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मैजिक गाड़ी के परखच्चे उड़ गए।जानकारी के मुताबिक हादसा होते ही मौके पर चीख-पुकार मच गई। आस-पास के खेतों में काम कर रहे लोग और ग्रामीण मदद के लिए दौड़े।

लोगों ने गाड़ी में फंसे लोगों को बाहर निकालने की कोशिश शुरू की, लेकिन तब तक आठ लोग दम तोड़ चुके थे। सूचना मिलते ही ईशानगर थाने की पुलिस बल मौके पर पहुंचा और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस ट्रक को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई कर रही है। इस हादसे के बाद मृतकों के परिवारों में कोहराम मच गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लखीमपुर खीरी में हुई सड़क दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उत्तरप्रदेश के लखीमपुर खीरी में हुई सड़क दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दिवंगत आत्मा को शांति देने और घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने की प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्य क्षेत्रीय परिषद बैठक स्थल जगदलपुर में लोक कलाकारों द्वारा आयोजित पारंपरिक लोकशिल्पों की लघु प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

सरकारी मंदिरों के पुजारियों के वेतन का मामला

सुप्रीम कोर्ट ने समीक्षा समिति बनाने की याचिका खारिज की

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सरकारी नियंत्रण वाले मंदिरों के पुजारियों, सेवादारों और मंदिर कर्मचारियों के वेतन और अन्य लाभों की समीक्षा के लिए एक न्यायिक आयोग या विशेषज्ञ समिति बनाने की याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया. इस मामले की सुनवाई जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने की.पीठ ने कहा कि जो लोग इससे परेशान हैं, वे सीधे अदालत का रुख कर सकते हैं और कोर्ट संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत इस याचिका पर विचार करने के पक्ष में नहीं है. पीठ ने टिप्पणी की, जो लोग पीड़ित हैं, वे अपनी लड़ाई खुद लड़ेंगे...याचिकाकर्ता वकील अश्विनी उपाध्याय ने 2006 के इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक फैसले का हवाला देते हुए कहा कि हाईकोर्ट ने कहा था कि वक्फ की तरह ही पुजारियों और सेवादारों के लिए भी न्यूनतम सम्मानजनक वेतन सुनिश्चित किया जाना चाहिए ताकि वे गरिमापूर्ण जीवन जी सकें. वकील ने इस जनहित याचिका में उठाए गए मुद्दे के संबंध में मद्रास हाईकोर्ट के एक फैसले का भी जिक्र किया.इस पर जस्टिस मेहता ने कहा, मद्रास हाईकोर्ट और इलाहाबाद हाईकोर्ट दोनों में ही वह किसी का व्यक्तिगत मामला था. उपाध्याय ने तर्क दिया कि यह एक देशव्यापी मुद्दा है और ध्यान दिलाया कि एक भी मस्जिद या चर्च सरकारी नियंत्रण में नहीं है.शीर्ष अदालत ने उपाध्याय से पुजारियों के मामलों में न पड़ने को कहा, क्योंकि हो सकता है कि उन्हें मंदिरों के पुजारियों और सेवादारों की कमाई के बारे में जानकारी न हो. पीठ ने याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया और उपाध्याय को कानून के तहत उपलब्ध अन्य विकल्पों का इस्तेमाल करने की छूट देते हुए याचिका वापस लेने की अनुमति दे दी।

आम आदमी पार्टी के नेता दीपक सिंगला गिरफ्तार, ईडी ने छापेमारी के बाद की कार्रवाई

नई दिल्ली,(आरएनएस)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को बैंक धोखाधड़ी मामले में आम आदमी पार्टी (आप) के नेता दीपक सिंगला को गिरफ्तार कर लिया है। इससे पहले, केंद्रीय एजेंसी ने सुबह, दिल्ली और गोवा में उनके आवास पर तलाशी ली थी। वर्ष 2024 में भी एजेंसी ने उनके घर पर छापा मारा था। आप ने छापेमारी और सिंगला की गिरफ्तारी के बाद भाजपा पर केंद्रीय एजेंसियों के माध्यम से पार्टी का संगठनात्मक डेटा हासिल करने की कोशिश करने का आरोप लगाया है।रिपोर्ट्स के मुताबिक, सिंगला पर 155 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों में गिरफ्तार किया गया है। ये मामला महेश टिम्बर प्राइवेट लिमिटेड से जुड़ा है। इसी मामले में, महीने की शुरूआत में आप के पंजाब कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा पर भी कार्रवाई की थी।

नीट पेपर लीक : प्रोफेसर ने आपस में बांट लिए थे सब्जेक्ट, सीबीआई की पूछताछ में हुआ खुलासा

नई दिल्ली,(आरएनएस)। सीबीआई ने NEET पेपर लीक मामले में जांच तेज कर दी है। पुणे के एक प्रतिष्ठित कॉलेज से जुड़ी प्रोफेसर मनीषा मांढरे को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया गया है। देशव्यापी परीक्षा में हुई धांधली के मामले में चल रही जांच के तहत, CBI अधिकारियों ने शनिवार को पुणे में मांढरे के आवास पर पूछताछ की। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, आरोपियों ने कथित तौर पर परीक्षा के पेपर के कुछ खास हिस्सों को लीक करने के लिए विषयों को आपस में बांट लिया था। कथित तौर पर केमिस्ट्री से जुड़े सवालों की जिम्मेदारी प्रह्लाद कुलकर्णी पर थी, जबकि प्रोफेसर मनीषा मांढरे कथित तौर पर बॉयोलाजी के सवालों को संभाल रही थीं।जांचकर्ताओं को संदेह है कि एग्जाम के पेपर से चुने हुए सवाल एजेंटों के एक नेटवर्क के जरिए लीक किए गए थे, जिसमें मनीषा वाघमारे, धनंजय लोखंडे और शुभम खैरनार शामिल थे। इसके बाद पेपर छात्रों के बीच बांटे गए थे। सूत्रों का कहना है कि मनीषा वाघमारे और प्रह्लाद कुलकर्णी एक-दूसरे को लातूर के दिनों से जानते थे। कुलकर्णी और मांढरे भी कथित तौर पर NEET परीक्षाओं के लिए पेपर सेट करने में एक-दूसरे से जुड़े थे।जांच के दौरान सामने आया कि मांढरे बाद में पुणे के बिबवेवाड़ी इलाके में गंगा ओशियाना सोसाइटी में रहने लगीं, जहां मनीषा वाघमारे पहले से ही रह रही थीं।

सासाराम रेलवे स्टेशन पर ट्रेन में लगी भयानक आग

सासाराम,(आरएनएस)। बिहार के रोहतास जिले के सासाराम रेलवे स्टेशन पर सोमवार सुबह एक पैसेंजर ट्रेन में आग लग गई। घटना की जानकारी मिलते ही सासाराम आरपीएफ इंस्पेक्टर संजीव कुमार मौके पर पहुंचे और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। दमकल की टीम ने कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया।

जानकारी के अनुसार, सुबह साढ़े 5 बजे ट्रेन में आग लगने की बात सामने आई। राहत की बात यह है कि इस हादसे में किसी भी यात्री के हताहत होने की खबर नहीं है। समय रहते उठाए गए जरूरी कदम की वजह से एक बड़ा हादसा टल गया। बताया जा रहा है कि सासाराम रेलवे स्टेशन पर सासाराम-पटना पैसेंजर ट्रेन लगी हुई थी। इसी बीच इंजन की ओर से 5वें बोगी में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने भयावह रूप ले लिया और ट्रेन की एक बोगी जलकर राख हो गई। इस दौरान अफरा-तफरी का माहौल बन गया।सासाराम आरपीएफ इंस्पेक्टर संजीव कुमार ने बताया कि सुबह साढ़े 5 बजे हमें सूचना मिली थी कि सासाराम पटना पैसेंजर ट्रेन में आग लग गई। कोई कैजुअलटी नहीं हुई है, आग लगने की सूचना पाकर पायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया।

मुंबई हवाई अड्डे पर कर्मचारियों की हड़ताल, विमानों के अंदर फंसे रहे यात्री

मुंबई,(आरएनएस)। महाराष्ट्र के मुंबई में छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आने-जाने वाली एयर इंडिया की कई उड़ानों को सोमवार को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। दरअसल, एक ग्राउंड हैंडलिंग एजेंसी के कर्मचारियों ने अस्थायी रूप से हड़ताल कर दी, जिसके बाद यात्रियों को जरूरी सुविधाएं और सेवाएं नहीं मिल सकीं। विमान से उतरने वाले यात्रियों को उनका सामान नहीं मिल सका और चढ़ने वाले यात्रियों का सामान विमान में नहीं चढ़ाया गया, जिससे घंटों तक अफरा-तफरी का माहौल रहा।रिपोर्ट के मुताबिक, मुंबई हवाई अड्डे से उड़ान भरने वाली लगभग 15 उड़ानें 90 मिनट से लेकर 2 घंटे तक विलंबित हुईं। हैदराबाद से मुंबई आने वाली एयर इंडिया की एक उड़ान सोमवार को सुबह 11:45 बजे पहुंची, लेकिन उसमें बैठे यात्री कम से कम एक घंटे तक विमान से उतर नहीं पाए।

प्याज के आँसू: महाराष्ट्र के किसान गहरे संकट में, लागत भी निकालना मुश्किल

जंग के कारण निर्यात हुआ कम, कौड़ियों में बिक रहा प्याज

नासिक,(ए.)। महाराष्ट्र के नासिक और सोलापुर जिलों से सामने आ रही तस्वीरें इसका सबूत हैं कि मुसीबत की घड़ी आ गई है। प्याज के गिरते दामों ने इन क्षेत्रों के हजारों किसानों की कमर तोड़ दी है। मंडियों में प्याज की भरमार है, लेकिन खरीदार न मिलने या बहुत कम दाम मिलने के कारण अन्नदाता परेशान हैं। उन्हें अपनी मेहनत का उचित मूल्य मिलना तो दूर, लागत भी निकालना मुश्किल हो रहा है, जिससे दिवालिया होने का खतरा मंडरा रहा है। इस सीजन में महाराष्ट्र के प्याज उत्पादक बेल्ट में किसानों को भारी निराशा हाथ लगी है। पहले बेमौसम बारिश ने फसल को नुकसान पहुंचाया, और अब पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव और युद्ध के कारण प्याज का निर्यात बुरी तरह प्रभावित हो गया है। नतीजतन, थोक मंडियों में प्याज के दाम उत्पादन लागत से काफी नीचे गिर गए हैं, इससे किसानों को भारी वित्तीय घाटा हो रहा है।नासिक, सोलापुर और छत्रपति संभाजीनगर के किसानों के कई हृदय विदारक मामले सामने आए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पाथन तालुका के किसान ने 1,262 किलो प्याज बेचने के बाद अपने खाते में माइनस एक रुपया देखा, जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ। इसी तरह, सताना एपीएमसी में जितेंद्र सोलंकी को क्विंटल प्याज 175 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से बेचना पड़ा, जबकि प्याज को उगाने में 1,200 रुपये प्रति क्विंटल का खर्च आया था। उन्हें सीधे तौर पर 6,000 रुपये का घाटा हुआ। पुणे के किसान बताते हैं कि वे प्याज को 4-5 रुपये प्रति किलो बेच रहे हैं, जबकि उनकी उत्पादन लागत 12 रुपये प्रति किलो से कहीं अधिक है।

अगले 7 दिन तक आसमान से बरसेगी आग, गंभीर लू के बीच मानसून को लेकर आ गई बड़ी खुशखबरी

नई दिल्ली(ए.)। उत्तर भारत समेत देश के अधिकांश हिस्से इस समय भीषण और जानलेवा गर्मी की चपेट में आ चुके हैं। उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के तमाम इलाकों में सूरज लगातार आग उगल रहा है और लू (Heatwave) का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। मौसम विभाग (IMD) ने एक बेहद डराने वाली चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि अगले सात दिनों तक देश के लोगों को इस भीषण गर्मी से कोई राहत नहीं मिलने वाली है। मौसम विज्ञानियों ने पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान के साथ-साथ महाराष्ट्र के विदर्भ, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा क्षेत्रों के लिए लू का गंभीर अलर्ट जारी किया है।

रात में भी चैन नहीं, इन राज्यों में 'वार्म नाइट' का ऑरेंज अलर्ट

मौसम विभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक अखिलेश श्रीवास्तव के अनुसार, आने वाले पूरे एक हफ्ते तक लोगों को सूरज के तीखे तेवरों का सामना करना ही पड़ेगा। इतना ही नहीं, पश्चिमी राजस्थान और पश्चिमी

उत्तर प्रदेश के इलाकों में दिन के साथ-साथ रातें भी बेहद गर्म रहने वाली हैं, जिसके लिए 'वार्म नाइट' का विशेष 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया गया है। वहीं, मध्य प्रदेश और विदर्भ के कुछ हिस्सों में हालात सामान्य लू से कहीं ज्यादा बदतर होकर 'गंभीर लू' (Severe Heatwave) में बदल सकते हैं, जिसे देखते हुए प्रशासन को अलर्ट मोड पर रखा गया है। इसके अलावा ओडिशा में भी अगले तीन से चार दिनों तक उमस और दमघोंटू गर्मी लोगों को बेहाल करने वाली है।

देश की पहली बुलेट ट्रेन की तस्वीर आई सामने, रेलवे मंत्रालय में दिखी भारत के भविष्य की सबसे फास्ट ट्रेन की झलक

नईदिल्ली, (आरएनएस)। भारत में बुलेट ट्रेन का सपना अब धीरे-धीरे हकीकत बनता दिखाई दे रहा है। भारतीय रेलवे ने देश की पहली बुलेट ट्रेन का डिजाइन पब्लिक कर दिया है। नई दिल्ली स्थित रेलवे मंत्रालय में इस ट्रेन की तस्वीर लगाई गई है, जिसने लोगों के बीच उत्साह बढ़ा दिया है। रेलवे मंत्रालय के गेट नंबर-4 पर लगाई गई यह तस्वीर भारत की भविष्य की सबसे तेज ट्रेन की पहली आधिकारिक झलक मानी जा रही है। यह बुलेट ट्रेन मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर पर चलेगी और देश में हाई-स्पीड यात्रा का नया दौर शुरू करेगी। ये बुलेट ट्रेन आने वाले समय में भारत की रेल यात्रा पूरी तरह बदलने वाली है। आधुनिक डिजाइन, तेज रफ्तार और अत्याधुनिक तकनीक से लैस यह ट्रेन सिर्फ सफर को आसान नहीं बनाएगी, बल्कि भारत को दुनिया के उन चुनिंदा देशों की कतार में भी खड़ा करेगी जहां बुलेट ट्रेन जैसी एडवांस रेल सेवाएं मौजूद हैं।508 किलोमीटर लंबा मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल प्रोजेक्ट भारत का पहला बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट है। यह ट्रेन महाराष्ट्र, गुजरात और दादरा एवं नगर हवेली से

होकर गुजरेगी। इस रूट पर कुल 12 स्टेशन बनाए जाएंगे, जिनमें मुंबई, ठाणे, विरार, बोइसर, वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, वडोदरा, आनंद, अहमदाबाद और साबरमती शामिल हैं।रेलवे के अनुसार गुजरात के 8 स्टेशनों पर फाउंडेशन का काम पूरा हो चुका है। वहीं महाराष्ट्र में ठाणे, विरार और बोइसर में तेजी से निर्माण कार्य चल रहा है। मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स स्टेशन पर खुदाई का काम लगभग पूरा हो चुका है। इसके अलावा समुद्र के नीचे बनने वाली सुरंग का काम भी तेजी से आगे बढ़ रहा है।

इस हाई-स्पीड ट्रेन को मेक इन इंडिया पहल के तहत तैयार किया जा रहा है। चेन्नई की इंटीग्रल कोच फैक्ट्री और बेंगलुरु की बीईएमएल मिलकर ट्रेन सेट विकसित कर रही हैं। रेलवे के मुताबिक इस ट्रेन की डिजाइन स्पीड करीब 280 किलोमीटर प्रति घंटा होगी। इससे मुंबई से अहमदाबाद का सफर कुछ ही घंटों में पूरा किया जा सकेगा।बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट को जापान की हाई-स्पीड रेल तकनीक की मदद से विकसित किया जा रहा है। हालांकि इसे भारत के मौसम और जरूरतों को ध्यान में रखते हुए खास तरीके से तैयार किया गया है। रेलवे का कहना है कि सुरक्षा और आराम के मामले में यह ट्रेन विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि यह प्रोजेक्ट सिर्फ एक ट्रेन नहीं, बल्कि भारत के परिवहन सिस्टम में बड़ा बदलाव साबित हो सकता है। इससे यात्रा तेज होगी, व्यापार को बढ़ावा मिलेगा और हाई-स्पीड रेल तकनीक में भारत की नई पहचान बनेगी।

यूपी से गिरफ्तार हुआ शुभेंदु अधिकारी के पीए की हत्या करने वाला शूटर, सामने आई हत्यारे की पहली तस्वीर

मुजफ्फरनगर, (आरएनएस)। शुभेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ की हत्या के मामले में सीबीआई ने बड़ी कार्रवाई की है। सीबीआई ने मुजफ्फरनगर पुलिस के साथ मिलकर सुभेंदु अधिकारी के पीए की हत्या मामले में राजकुमार नाम के आरोपी को गिरफ्तार किया है। सीबीआई की टीम ने आरोपी को मुज्जफरनगर से दबोचा है। हत्यारे की तस्वीर भी सामने आई है।

आरोपी का असली नाम राजकुमार है। हालांकि, इसको राज सिंह के नाम से भी जानते हैं। इस हत्याकांड में सबसे अहम रोल इसी राजकुमार का है, ये मेन शूटर बताया जा रहा है। इस हत्याकांड के पीछे का मोटिव अभी तक क्लियर नहीं हुआ है। आरोपी को मंगलवार को कोलकाता स्पेशल सीबीआई कोर्ट में पेश किया जाएगा।इस हत्याकांड में बंगाल पुलिस ने पहले तीन गिरफ्तारी की थी, जो 23 मई तक सीबीआई की कस्टडी में है। अब सीबीआई ने एक और गिरफ्तारी की है। इस मामले में अब तक कुल 4 गिरफ्तार किए जा चुके हैं।बता दें कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजे 4 मई को घोषित होने के ठीक दो दिन बाद, 6 मई की रात को शुभेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ की हत्या कर दी गई थी। 6 मई की रात को जब चंद्रनाथ रथ उत्तरी 24 परगना जिले के मध्यग्राम स्थित अपने घर में एक पार्टी कार्यक्रम से लौट रहे थे।

काम को पहले समझें, टीम से बेहतर समन्वय करें : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

स्व-अनुशासन में रहें, निगम मंडल में अनुशासन के लिये नियमित मॉनिटरिंग करें

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि अनेकता में एकता ही हमारी ताकत है। हम योग्यता का सम्मान करना जानते है इसीलिए योग्यता के आधार पर सभी को अलग-अलग जिम्मेदारी दी गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी का उद्धरण दोहराते हुए कहा कि राजनीति और प्रशासन का एकमात्र ध्येय जनकल्याण होना चाहिए। राजनीतिक जीवन में नैतिकता और शुचिता बेहद जरूरी है। हमें स्व. वाजपेयी के आदर्शों पर चल कर देश और प्रदेश की सेवा करनी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को अटल बिहारी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान में प्रदेश के विभिन्न निगम, मंडल, बोर्ड, आयोग एवं प्राधिकरणों के नवनियुक्त पदाधिकारियों के उन्मुखीकरण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव, प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंह, वरिष्ठ विधायक हेमंत खंडेलवाल तथा अटल बिहारी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान के उपाध्यक्ष प्रो. राजीव दीक्षित ने दीप प्रज्ज्वलित कर प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र का शुभारंभ किया।

उपलब्ध संसाधनों का उत्कृष्ट नियोजन करें

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी निगम मंडलों के नवनियुक्त अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि सेवा ही हमारा परम धर्म है। हमें परमेश्वर ने जनसेवा का अवसर दिया है इसीलिए सभी नवनियुक्त पदाधिकारी पूरी प्रशासनिक दक्षता, पूर्ण क्षमता, निष्ठा और सेवा भावना से काम करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आप सब सरकार का अभिन्न अंग है। आपके काम से ही सरकार की समाज और नागरिकों में साख बनेगी। इसीलिए पहले अपने काम को अच्छी तरह से समझें, विभागीय नीतियों और नियमों का समुचित अध्ययन करें। अपने उपलब्ध संसाधनों का उत्कृष्ट नियोजन करें और बेहतर तालमेल एवं सामंजस्य से अपने दायित्व का निर्वहन करें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वित्तीय प्रबंधन एक बड़ी चुनौती होती है। इसके लिए वित्तीय अनुशासन लाना, फिजूल खर्चों पर अंकुश लगाना और नवाचारों से आय के नए स्रोत सृजित करना जरूरी है। नवनियुक्त पदाधिकारी संस्थान के अधिकारियों के साथ टीम भावना से काम करें और निगम मंडल में अनुशासन के लिये स्व-अनुशासन में रहें और नियमित मॉनिटरिंग करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजनरी नेतृत्व में हम सबको नागरिकों की सेवा करते हुए प्रदेश को विकसित और भारत का सबसे बेहतर राज्य बनाने का अवसर प्राप्त हुआ है। निगम, मंडल, बोर्ड और आयोग के कामकाज में पारदर्शिता और दृढ़ता लाकर अपने संस्थान और प्रदेश को आत्मनिर्भर और कार्य कुशल बनाना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश का सपना तब तक अधूरा है जब तक हम जरूरतमंदों तक आवश्यक सहायता न पहुंचा दे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनता के हित में नतीजें दें। यही हमारा उद्देश्य और यही हमारा लक्ष्य होना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्तमान में तकनीक का इस्तेमाल सुशासन का बड़ा आधार बन चुका है।

19 और 20 मई को आसमान में दिखेगा 'दा विंची ग्लो', चांद के साथ नजर आएंगे वीनस और जुपिटर

भोपाल(निप्र)। आकाश प्रेमियों के लिए 19 और 20 मई की शाम खास रहने वाली है। इन दो दिनों में आसमान में एक दुर्लभ और मनमोहक खगोलीय घटना दा विंची ग्लो या अर्थशाइन देखने को मिलेगा। इस दौरान हंसियाकार चंद्रमा का अंधेरा हिस्सा भी हल्की चमक के साथ दिखाई देगा, जिससे चांद बेहद आकर्षक नजर आएगा।

नेशनल अवार्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने सोमवार को हिस से चर्चा करते हुएबताया कि इस खगोलीय घटना को अशेन ग्लो भी कहा जाता है। सामान्यत: चंद्रमा का वही हिस्सा दिखाई देता है, जिस पर सूर्य की सीधी रोशनी पड़ती है, लेकिन इन दिनों पृथ्वी से परावर्तित सूर्य की किरणें चंद्रमा के अंधेरे हिस्से को भी हल्की चमक प्रदान करेंगी। इससे चांद का अप्रकाशित भाग भी साफ दिखाई देगा।उन्होंने बताया कि इस मौसम में उत्तरी गोलार्ध में पृथ्वी की चमक अधिक रहती है। बर्फ पिघलने और बादलों की अधिकता के कारण धरती सूर्य के प्रकाश को ज्यादा परावर्तित करती है। यही वजह है कि अप्रैल और मई के दौरान अर्थशाइन सबसे अधिक स्पष्ट दिखाई देता है।इस खगोलीय नजारे की खास बात यह होगी कि चंद्रमा के साथ आकाश में चमकीले ग्रह वीनस और जुपिटर भी दिखाई देंगे। इससे पश्चिमी आसमान का दृश्य और अधिक आकर्षक बन जाएगा।सारिका के अनुसार, इस अद्भुत दृश्य को देखने के लिए किसी दूरबीन या टेलिस्कोप की जरूरत नहीं होगी। सूर्यास्त के करीब आधे घंटे बाद पश्चिम दिशा में खुली आंखों से इसे आसानी से देखा जा सकेगा।

जनभागीदारी - सबसे दूर सबसे पहले' अभियान के तहत भानपुर केकड़िया में लगेंगे हितग्राही शिविर

कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने दिए मैदानी संपर्क, स्वास्थ्य सेवाओं और योजनाओं की संतृप्ति सुनिश्चित करने के निर्देश समय-सीमा पत्रों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक संपन्न

भोपाल (निप्र)। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में समय-सीमा पत्रों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई।बैठक में कलेक्टर श्री मिश्रा ने पीएम जनमन एवं धरती आबा योजना के अंतर्गत भोपाल जिले के भानपुर केकड़िया ग्राम में राष्ट्रव्यापी अभियान जनभागीदारी - सबसे दूर सबसे पहले के तहत 18 मई से 25 मई तक जनजातीय समुदायों के लिए विशेष हितग्राही शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान मैदानी संपर्क, योजनाओं की पूर्ण संतृप्ति एवं स्वास्थ्य विस्तार सेवाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने ई-विकास प्रणाली पोर्टल के माध्यम से उर्वरक वितरण हेतु कृषकों की फॉर्मर आईडी बनाने के लिए 15 मई से 30 मई तक आयोजित शिविरों का भौतिक सत्यापन करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण पर विशेष जोर देते हुए कहा कि कार्य में शिथिलता बरतने वाले अधिकारियों को कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किए जाएंगे। बैठक में कलेक्टर श्री मिश्रा ने सभी विभागों को शासन के ई-कार्यालय सिस्टम के माध्यम से ही कार्य संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधूरी नस्तियों का संचालन न किया जाए तथा सभी संचिकाएं ई-ऑफिस के माध्यम से ही अग्रेषित की जाएं। उन्होंने इसे शासन की महत्वपूर्ण पहल बताते हुए प्रत्येक सप्ताह प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने 18 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों के आधार सत्यापन एवं 100 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष शिविर आयोजित कर कार्यवाही करने के निर्देश भी दिए। साथ ही जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति एवं पोर्टल पर अद्यतन जानकारी दर्ज करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

उपभोक्ताओं का हित सर्वोपरि जल्द, उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए हम संकल्पित हैं : खाद्य मंत्री श्री राजपूत

भोपाल(निप्र)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत को अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत द्वारा उपभोक्ताओं के हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में एमआरपी (अधिकतम खुदरा मूल्य) प्रणाली में सुधार, उपभोक्ता संरक्षण कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन तथा आम जनता को राहत देने संबंधी मांगें प्रमुख रूप से रखी गईं।

मंत्री श्री राजपूत ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि उपभोक्ताओं के हित सर्वोपरि हैं और ज्ञापन में उठाए गए बिंदुओं पर गंभीरता से विचार कर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत ने कहा कि वर्तमान समय में बाजार में कई कंपनियां उत्पादों पर मनमाना एमआरपी अंकित कर उपभोक्ताओं को भ्रमित कर रही हैं। संस्था ने मांग की कि एमआरपी निर्धारण की प्रक्रिया पारदर्शी बनाई जाए तथा उपभोक्ताओं को वास्तविक मूल्य पर गुणवत्तापूर्ण वस्तुएं उपलब्ध कराई जाएं। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि ऑनलाइन और ऑफलाइन बाजारों में मूल्य असमानता लगातार बढ़ रही है, जिससे आम उपभोक्ता प्रभावित हो रहा है। संस्था ने सरकार से मांग की कि उपभोक्ता अधिकारों की रक्षा के लिए सख्त नियम बनाए जाएं और उनका प्रभावी पालन सुनिश्चित किया जाए।

केंद्रीय गृहमंत्री श्री शाह ने नक्सल उन्मूलन अभियान में उत्कृष्ट योगदान हेतु डीजीपी कैलाश मकवाणा, वरिष्ठ अधिकारियों एवं हॉक फोर्स के जवानों को किया सम्मानित

भोपाल(निप्र)। मध्यप्रदेश को नक्सल मुक्त बनाने में उल्लेखनीय योगदान के लिए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ स्थित बस्तर के बादल अकादमी में आयोजित उजर बस्तर कार्यक्रम में पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा, मध्यप्रदेश पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों एवं हॉक फोर्स के अधिकारियों/कर्मचारियों को सम्मानित किया। मध्यप्रदेश पुलिस को यह सम्मान बालाघाट एवं छत्तीसगढ़ सीमा से लगे नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सफल एंटी नक्सल ऑपरेशन्स, प्रभावी अंतरराज्यीय समन्वय, मजबूत खुफिया नेटवर्क, दुर्गम क्षेत्रों में सतत अभियान संचालन तथा सुरक्षा एवं विकास आधारित पुलिसिंग मॉडल को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए प्रदान किया गया।

सम्मानित अधिकारियों में पुलिस महानिदेशक मध्यप्रदेश कैलाश मकवाणा, विशेष पुलिस महानिदेशक पंकज श्रीवास्तव, पुलिस आयुक्त भोपाल एवं तत्कालीन आईजी बालाघाट ज़ोन संजय कुमार, पुलिस अधीक्षक बालाघाट आदित्य मिश्रा, पुलिस अधीक्षक सिंगरौली एवं तत्कालीन कमांडेंट हॉक फोर्स बालाघाट शियाज़ के. एम., पुलिस उपायुक्त भोपाल एवं तत्कालीन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एंटी नक्सल ऑपरेशन बालाघाट आदर्श कांत शुक्लाशामिल रहे। इसके साथ ही हॉक फोर्स के निरीक्षक राम पदम शर्मा, निरीक्षक अतुल शुक्ला, निरीक्षक राजेश धुर्वे तथा सहायक उप निरीक्षक ब्रजेश राजावत को भी उनके साहस, समर्पण एवं सफल ऑपरेशनल भूमिका के लिए सम्मानित किया गया।मध्यप्रदेश पुलिस की हॉक फोर्स एवं एंटी नक्सल ऑपरेशन इकाइयों ने विगत वर्षों में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में लगातार रणनीतिक एवं साहसिक अभियान संचालित किए हैं। इन अभियानों के दौरान नक्सली गतिविधियों एवं उनके नेटवर्क पर प्रभावी प्रहार किया गया, सीमावर्ती क्षेत्रों में संयुक्त ऑपरेशन संचालित किए गए। जिससे मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं महाराष्ट्र पुलिस के बीच समन्वित कार्रवाई को नई मजबूती मिली। आधुनिक तकनीक, सटीक इंटेलिजेंस एवं कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में निरंतर ऑपरेशन के माध्यम से हॉक फोर्स ने नक्सली संगठनों की गतिविधियों, मूवमेंट एवं लॉजिस्टिक नेटवर्क को कमजोर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन अभियानों के परिणामस्वरूप नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत हुई तथा स्थानीय नागरिकों में विश्वास एवं विकास का वातावरण स्थापित हुआ।

जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर उठाए सवाल, कहा- जनता का गुस्सा ही भाजपा सरकार का असली "रिपोर्ट कार्ड"

भोपाल, (ए.)। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सोमवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर प्रदेश सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार के मंत्रियों का वास्तविक रिपोर्ट कार्ड अब बंद कमरों में होने वाली समीक्षा बैठकों से नहीं, बल्कि जनता के बढ़ते आक्रोश, विधायकों की नाराजगी और सरकार के भीतर उठ रहे सवालों से सामने आ रहा है।जीतू पटवारी ने कहा कि सरकार के भीतर ही कई मुद्दों को लेकर असंतोष दिखाई दे रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि अलीराजपुर में शराब कारोबार और प्रशासनिक समन्वय को लेकर सवाल उठ रहे हैं, वहीं देश की पहली वॉटर प्लस सिटी कही जाने वाली इंदौर में लोग जलसंकट से परेशान हैं। उनका कहना है कि स्थिति ऐसी बन गई है कि भाजपा विधायक भी सार्वजनिक रूप से नाराजगी जता रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह केवल विपक्ष के आरोप नहीं हैं, बल्कि सरकार के भीतर से सामने आ रही स्थितियां हैं। पटवारी ने कहा कि सरकार

मंत्रियों की बैठकों, दौरों और संगठनात्मक गतिविधियों का आकलन कर रही है, जबकि जनता मूलभूत सुविधाओं और सुरक्षा से जुड़े सवालों के जवाब चाहती है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि प्रदेश में जलसंकट, बढ़ते अपराध और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर सरकार प्रभावी ढंग से काम नहीं कर पा रही है। उन्होंने कहा कि जहां एक ओर लोग पानी जैसी बुनियादी जरूरतों के लिए संघर्ष कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सरकार प्रचार और औपचारिक समीक्षाओं में व्यस्त दिखाई देती है।पीसीसी चीफ पटवारी ने कहा कि प्रदेश में प्रशासनिक व्यवस्था कमजोर पड़ती नजर आ रही है और जनता का भरोसा सरकार से कम हो रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि यदि वास्तविक समीक्षा करनी है तो किसानों, महिलाओं, बेरोजगार युवाओं और आम नागरिकों की समस्याओं को प्राथमिकता देकर उनकी बात सुनी जाए।

भोपाल मेट्रो के यात्रियों को बड़ी राहत..

अब नहीं पार करनी होगी मुख्य सड़क, सीधे मिलेगी स्टेशन में एंट्री

भोपाल। सुभाष नगर से लेकर एम्स तक कहे जाने वाले प्रायोरिटी कॉरिडोर के आरकेएमपी, डीआरएम, अलकापुरी और एम्स मेट्रो स्टेशनों के सेकंड एंट्री-एग्जिट का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। इसके शुरू होने के बाद यात्रियों को स्टेशन तक पहुंचने और बाहर निकलने में पहले की तुलना में अधिक सुविधा मिलेगी। ज्ञात हो कि पिछले साल दिसंबर में भोपाल मेट्रो का उद्घाटन होने के समय इन चार स्टेशनों के सेकंड एंट्री-एग्जिट पूरी तरह तैयार नहीं हो पाए थे। इनका निर्माण कार्य पूरा होने के बाद यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलने लगेंगी।

मध्य प्रदेश में पेट्रोल-डीजल सबसे महंगा, माकपा ने करों में कटौती की मांग उठाई

भोपाल,(निप्र)। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने मध्यप्रदेश में पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा है। पार्टी के राज्य सचिव जसविंदर सिंह ने सोमवार को जारी बयान में

कहा कि प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय पड़ोसी राज्यों की तुलना में कम होने के बावजूद यहां पेट्रोल और डीजल सबसे महंगा बिक रहा है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में प्रति व्यक्ति आय 1.52 लाख रुपये के करीब है, जबकि पेट्रोल 110.74 रुपये और डीजल 95.08 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। इसके विपरीत उत्तर प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय अधिक होने के बावजूद पेट्रोल 97.72 रुपये और डीजल 90.25 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। इस हिसाब से मध्यप्रदेश की जनता को पेट्रोल पर 13 रुपये से अधिक और डीजल पर 4 रुपये प्रति लीटर अतिरिक्त भुगतान करना पड़ रहा है।माकपा नेता ने गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ का उदाहरण देते हुए कहा कि इन राज्यों में प्रति व्यक्ति आय मध्यप्रदेश से अधिक है, लेकिन वहां ईंधन की कीमतें कम हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मध्यप्रदेश में ऊंचे करों के कारण आम लोगों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। जसविंदर सिंह ने कहा कि सभी पड़ोसी राज्यों में भाजपा की सरकार होने के बावजूद मध्यप्रदेश में पेट्रोल-डीजल महंगा है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब अन्य भाजपा शासित राज्य सस्ता ईंधन उपलब्ध करा सकते हैं, तो मध्यप्रदेश की जनता को महंगा पेट्रोल-डीजल क्यों खरीदना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों का असर केवल यातायात तक सीमित नहीं रहता, बल्कि महंगाई भी बढ़ती है, जिससे आम जनता की परेशानी बढ़ती है।माकपा ने राज्य सरकार से पेट्रोल और डीजल पर लगाए गए करों में कटौती कर कीमतें कम करने की मांग की है।

पंचायत एवं नगरीय निकायों की मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण कार्यक्रम के लिये प्रेक्षक नियुक्त

भोपाल (निप्र.)। मध्य प्रदेश की पंचायतों एवं नगरीय निकायों की मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण का कार्यक्रम जारी है। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पुनरीक्षण कार्यक्रम के पर्यवेक्षण के लिये प्रेक्षक नियुक्त किये गये हैं। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 18 जून को होगा।

राज्य निर्वाचन आयोग के आयुक्त मनोज श्रीवास्तव ने सोमवार को बताया कि जिला इंदौर के लिये डी.पी. तिवारी, आगर-मालवा के लिये कृष्ण मोहन गौतम, बैतूल के लिये एस.पी.एस. सलूजा, मऊगंज के लिये ए.के. सिंह, डिण्डोरी के लिये शैलेन्द्र कियावत, शहडोल के लिये नीरज दुबे, हरदा के लिये डी.डी. अग्रवाल, अनूपपुर के लिये नरेन्द्र सिंह परमार, निवाड़ी के लिये डी. श्रीकांत पाण्डे, ग्वालियर के लिये अरुण तोमर, सीधी के लिये एस.एन. रूपला, नर्मदापुरम के लिये निसार अहमद, रीवा के लिये अरुण पाण्डे और रायसेन के लिये शशि भूषण सिंह को प्रेक्षक नियुक्त किया गया है। ये सभी प्रेक्षक से.नि. भा.प्र.से. अधिकारी हैं। इसी तरह राज्य प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी अनूप तिवारी को कटनी, अनंत नारायण अरोड़ा को सतना, प्रकाश व्यास को खरगोन, राजा सिंह परिहार को शिवपुरी, मदन सिंह ठाकुर को भिण्ड, मदनलाल कौरव को देवास, शरद कुमार श्रोत्रि को दमोह, ए.आर.एन. गुप्ता को मैहर, व्ही.के. चतुर्वेदी को सागर और पी.के. वर्मा को नरसिंहपुर का प्रेक्षक तथा से.नि. अतिरिक्त सचिव जीएसटी एस.डी. रिछारिया को दतिया जिले का प्रेक्षक नियुक्त किया गया है।

सुसाइड से पहले छत पर जाती दिखीं मॉडल ट्विशा

भोपाल के रिटायर्ड जज परिवार की बहू की चैट वायरल- 'ये लोग न रोने देंगे, न हंसने'

भोपाल,(निप्र)। मध्यप्रदेश के भोपाल में मॉडल और पूर्व एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा (31) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के मामले में नया मोड़ आया है। सुसाइड से पहले वह घर की छत पर जाती CCTV में दिखाई दी है, जबकि सहेली के साथ उसकी चैट भी वायरल हुई है। इसमें उसने लिखा मुझे बहुत घुटन हो रही है मांग ये लोग न रोने देंगे, न हंसने की वजह देंगे। भोपाल के कटारा हिल्स स्थित बागमुगालिया एक्सटेंशन में रिटायर्ड महिला जज गिरीबाला की बहू ट्विशा शर्मा ने मंगलवार को फांसी लगा ली थी। मायके पक्ष ने पति समर्थ सिंह और ससुराल वालों पर मानसिक प्रताड़ना के आरोप लगाए थे। उनका कहना है कि बेटी के हाथ और कान पर चोट के नीले निशान मिले थे।

घटना के छह दिन बाद भी ट्विशा के परिजनों ने शव लेने से इनकार कर रखा है। परिवार आरोपी सास गिरीबाला सिंह को मिली जमानत से नाराज है और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहा है।

ट्विशा मूल रूप से नोएडा की रहने वाली थी। उसकी शादी करीब एक साल पहले भोपाल निवासी वकील समर्थ शर्मा से हुई थी। ट्विशा का भाई हर्षित शर्मा भारतीय सेना में मेजर है। ट्विशा सुसाइड से पहले घर में लगे CCTV कैमरे में कैद हुई थी। फुटेज में वह रात के समय अकेले सीढ़ियां चढ़कर छत पर जाती दिखाई दी। परिजनों के मुताबिक 11 मई की शाम ट्विशा ब्यूटी पार्लर से तैयार होकर घर लौटी थी। टीवी देखते समय उसकी मां का फोन आया। बात करते हुए वह छत पर चली गई। कुछ देर बाद कॉल डिस्कनेक्ट हो गया। रात करीब साढ़े दस बजे उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।ट्विशा शर्मा और उसकी सहेली के बीच हुई व्हाट्सएप चैट भी सामने आई है। इसमें उसने शादी, परिवार और अपने मानसिक तनाव को लेकर कई बातें लिखीं।

हॉकी विकास का राष्ट्रीय मॉडल बन रहा मध्यप्रदेश

मंत्री श्री सारंग से हॉकी इंडिया प्रबंधन प्रतिनिधिमंडल ने की भेंट

भोपाल,(निप्र)। भोपाल में हॉकी इंडिया प्रबंधन प्रतिनिधिमंडल ने खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग से सौजन्य भेंट कर मध्यप्रदेश में हॉकी के क्षेत्र में हो रहे व्यापक विकास, आधुनिक खेल अधोसंरचना तथा खिलाड़ियों को उपलब्ध कराई जा रही अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं की सराहना की। बैठक में खेल एवं युवा कल्याण संचालक अंशुमान यादव के साथ हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह, कोषाध्यक्ष सेकर जे. मनोहरन तथा महानिदेशक कमांडर आर.के. श्रीवास्तव उपस्थित रहे। बैठक में प्रदेश में हॉकी के विस्तार, प्रतिभा संवर्धन, अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के सफल आयोजन, सिंथेटिक टर्फ निर्माण तथा जमीनी स्तर पर खिलाड़ियों को तैयार करने की रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा हुई।

आरंभ हुआ "जन भागीदारी - सबसे दूर, सबसे पहले" अभियान

भोपाल (ए.)। जनजातीय वर्ग के लिए शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार तथा योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 18 से 25 मई तक राष्ट्रव्यापी सूचना, शिक्षा एवं संचार अभियान जन भागीदारी - सबसे दूर, सबसे पहले अभियान संचालित किया जा रहा है।जनजातीय कार्य विभाग मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने विभाग के सभी मैदानी अधिकारियों को सफलतापूर्वक शिविर लगाने एवं लक्षित समूह को लाभ पहुँचाने के निर्देश दिए हैं। आयुक्त सह संचालक जनजातीय क्षेत्रीय विकास योजना डॉ. सतेन्द्र सिंह ने बताया कि अभियान के दौरान जनजातीय समुदाय के हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से विशेष शिविरों का आयोजन किया जाएगा। प्रधानमंत्री जनमन योजना एवं धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत प्रदेश के सभी जिलों की सभी जनपद पंचायतों के चयनित ग्रामों में लाभार्थी संतृप्ति शिविर आयोजित किए जाएंगे।

जनजातीय अंचल में X-D उन्मूलन के लिये बड़वानी पुलिस की पहल

दारू, दहेज और डीजे मुक्त विवाह के लिये चलेगा अभियान

बडवानी (ए.) । जनजाति अंचल में पनप रही कुरीतियों के खिलाफ एक अनोखी पहल देखने को मिली, जब बड़वानी में पुलिस अधीक्षक स्वयं विवाह समारोह में पहुँचे। इस अवसर पर उन्होंने "xD" अर्थात दारू, दहेज और डीजे जैसी सामाजिक बुराइयों के उन्मूलन का संकल्प दिलाया। यह विवाह केवल दो परिवारों का मिलन नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन की मिसाल बन गया। पुलिस प्रशासन की मौजूदगी ने लोगों को यह संदेश दिया कि समाज सुधार केवल कानून से नहीं, बल्कि जनभागीदारी और जागरूकता से संभव है। समारोह में उपस्थित लोगों ने भी 3ঢ मुक्त विवाह का समर्थन करते हुए सादगी और सामाजिक जिम्मेदारी का परिचय दिया।पुलिस अधीक्षक बडवानी पद्म विलोचन शुक्ल के नेतृत्व में विगत माह से जिला पुलिस बडवानी द्वारा जिले में विवाह समारोह में दहेज, डीजे एवं दारू का उपयोग नही करने हेतु 3-डी अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस विभाग की अभिनव पहल से प्रेरित होकर गत 4 मई को ग्राम धवली में पुलिस

विभाग व्दारा आयोजित जनसंवाद में ग्राम जुनापानी के रामा नरगावे द्वारा अपने तीनों बच्चो के विवाह समारोह में दहेज, डीजे एवं दारू का उपयोग नही करने का संकल्प लिया था। रामा नरगावे द्वारा 17 मई को अपने पुत्र कृष्णा नरगावे, पुत्री रंजिता नरगावे एवं दिना नरगावे का विवाह समारोह बिना दहेज, डीजे एवं दारू के संपन्न किया गया। रामा नरगावे व्दारा पुलिस अधीक्षक बडवानी पद्म विलोचन शुक्ल को अपने बच्चों के विवाह समारोह में आमंत्रित करने पर पुलिस अधीक्षक द्वारा ग्राम जुनापानी विवाह समारोह में सम्मिलित हुए। उन्होंने दुल्हा-दुल्हनों को शुमकामना संदेश एवं उपहार देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। श्री शुक्ल ने नरगावे दंपति को शॉल-श्रीफल देकर उनकी साहसिक पहल के लिये सम्मानित किया। विवाह समारोह में सम्मिलित जनजातीय समाज के लोगो ने भी सालों से चली आ रही सभी सामाजिक कुरीतियों को खत्म करने का संकल्प लिया। भविष्य में बिना दहेज, डीजे एवं दारू के विवाह समारोह सम्पन्न कराने तथा दहेज नही लेने व देने की कुरीति को पूर्ण रूप से बंद करने का संकल्प दिलाया गया। विवाह समारोह में थाना वरला का पुलिस स्टाफ तथा वन मंडल अधिकारी सेंधवा इंदुसिंह गडरिया एवं गायत्री परिवार के सदस्य खुमसिंह तथा ग्राम सरपंच पटेल भी शामिल हुए।

जबलपुर में सड़क हादसा, पांच वाहन आपस में टकराए, कई लोग घायल

जबलपुर (ए.)। मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले के बरेला थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया। शारदा मंदिर के पास डंपर, ट्रैक्टर, ट्रक, कंटेनर ट्राला और बस समेत पांच वाहन आपस में टकरा गए। हादसा इतना भयावह था कि कई वाहनों के परखच्चे उड़ गए और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर काफी जोरदार थी, जिसके चलते कई लोग वाहनों में फंस गए। हादसे की सूचना मिलते ही बरेला पुलिस और एंबुलेंस टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को वाहनों से बाहर निकालकर इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया। बताया जा रहा है कि कई लोगों को गंभीर चोटें आई हैं।

चिल चिलाती धूप में यात्रियों को बांटी शीतल जल की बोतले

बुरहानपुर (ए.)। दरगाहए-हकीमी ने एक बार फिर सेवा भाव की मिसाल पेश की। सामाजिक कार्यों हो या जनभागीदारी में हमेशा आगे रहने वाली दरगाह ए हकीमी प्रबंधन ने भीषण गर्मी को देखते हुए यात्रियों के लिए राहत अभियान चलाया। मुल्ला जुझार इंदौर वाला की ओर से दरगाह ए-हकीमी के बैनर तले प्रबंधक शेख शब्बीर भाई एवं उप प्रबंधक शेख मुस्तफा भाई उज्जैनी के नेतृत्व में बुरहानपुर रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों में यात्रा करने वाले यात्रियों को भीषण गर्मी से राहत देने के लिए कोई दो हज़ार से अधिक ठंडे पानी की बोतलों का वितरण किया दरगाह-ए-हकीमी के उप प्रबंधक मुस्तफा उज्जैनी ने बताया कि डॉ. सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन के आदेश पर यह सेवा कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दाऊदी बोहरा समाज हमेशा सामाजिक और मानव सेवा के कार्यों में आगे रहता है। भीषण गर्मी को देखते हुए यात्रियों के लिए शीतल पेयजल वितरण का यह अभियान लगातार चार से पांच दिनों तक जारी रहेगा।

लोकायुक्त ने धार जिला परियोजना समन्वयक को एक लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा

धार (ए.)। मध्य प्रदेश के धार में लोकायुक्त इंदौर की टीम ने सोमवार को जिला शिक्षा केंद्र में पदस्थ जिला परियोजना समन्वयक प्रदीप कुमार खरे को एक लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। आरोपी पर शासकीय स्कूलों में बनाए गए शौचालयों के पूर्णता प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करने के बदले बड़ी रकम की रिश्वत मांगने का आरोप है।लोकायुक्त पुलिस के अनुसार मामला समग्र शिक्षा अभियान के तहत जिले के विभिन्न सरकारी विद्यालय परिसरों में बनाए जा रहे 122 शौचालयों के निर्माण कार्य से जुड़ा है। इस परियोजना के लिए करीब 3 करोड़ 42 लाख रुपये स्वीकृत किए गए थे। निर्माण कार्यों की निगरानी जिला शिक्षा केंद्र में पदस्थ प्रभारी सहायक यंत्री दिलीप साधव द्वारा की जा रही थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि जिला परियोजना समन्वयक प्रदीप कुमार खरे निर्माण कार्यों के पूर्णता प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करने के एवज में कुल परियोजना राशि का 5 प्रतिशत, यानी लगभग 17 लाख रुपये कमीशन की मांग कर रहे थे। आवेदक दिलीप साधव ने इसकी शिकायत लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक राजेश सहाय से की। शिकायत के सत्यापन में मामला सही पाए जाने के बाद सोमवार को एक ट्रैप दल का गठन किया गया।

अनूपपुर में दो जगह भीषण आग, करोड़ों के नुकसान की आशंका; कार भी जली

अनूपपुर,(ए.)। मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले में सोमवार को दो अलग-अलग स्थानों पर भीषण आग लगने की घटनाओं से हड़कंप मच गया। जिला मुख्यालय और जैतहरी नगर में लगी आग से करोड़ों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। पहली घटना जिला मुख्यालय में अमरकंटक रोड स्थित चंदास नदी पुल के पास हुई, जहां खुले मैदान में रखी प्लास्टिक

पाइपों में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और धुएं का गुबार कई किलोमीटर दूर तक दिखाई देने लगा। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। प्रशासन ने लोगों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील की है। दूसरी और बड़ी घटना जैतहरी नगर में रविवार और सोमवार की दरम्यानी रात सामने आई, जहां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पास स्थित एक कूलर गोदाम में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि गोदाम में रखे कूलर, शेड और अन्य सामान जलकर खाक हो गए। आग की लपटें दूर-दूर तक दिखाई दे रही थीं और पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।बताया जा रहा है कि गोदाम विजय शुक्ला का है। आग की चपेट में पास में खड़ी एक कार भी आ गई, जो पूरी तरह जल गई। स्थानीय लोगों ने अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग लगातार बढ़ती रही। बाद में दमकल की टीमों ने घंटों की मेहनत के बाद आग पर काबू पाया।

अनूपपुर-शहडोल में हाथियों की दहशत, चार छत्तीसगढ़ पहुंचे; खतरनाक दतैल अब भी रामपुर जंगल में सक्रिय

अनूपपुर(ए.)। मध्यप्रदेश के अनूपपुर और शहडोल जिलों में लंबे समय से विचरण कर रहे हाथियों के समूह में शामिल चार हाथी सोमवार सुबह छत्तीसगढ़ के मरवाही वन मंडल क्षेत्र में पहुंच गए, जबकि एक खतरनाक दंतैल हाथी पांचवें दिन भी रामपुर के जंगल में डटा हुआ है। लगातार हो रही जनहानि और हाथी की आक्रामक गतिविधियों को देखते हुए वन विभाग ने उसके रेस्क्यू की तैयारी शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार, चार हाथियों का दल पिछले करीब 150 दिनों से अनूपपुर, शहडोल और डिंडोरी के जंगलों में विचरण कर रहा था। यह समूह रात के समय गांवों में पहुंचकर फसलों और मकानों को नुकसान पहुंचा रहा था। रविवार रात हाथियों का दल जैतहरी क्षेत्र के चोलना और पड़रिया गांवों के जंगलों से निकलकर धनगवां, जरियारी, बीड़ और उमरिया होते हुए सोमवार सुबह छत्तीसगढ़ के मरवाही वन परिक्षेत्र में पहुंच गया। फिलहाल यह दल दैगांव गांव के पास छुलहनी जंगल में रुका हुआ है।वहीं, अकेला दंतैल हाथी क्षेत्र में लगातार दहशत फैला रहा है। बताया जा रहा है कि बीते डेढ़ महीने में यह हाथी मरवाही, अनूपपुर और शहडोल क्षेत्र में चार लोगों और आठ मवेशियों की जान ले चुका है, जबकि कई लोग घायल हुए हैं। वन विभाग के अनुसार, यह हाथी

2 अप्रैल को छत्तीसगढ़ के कटघोड़ा वन मंडल से मध्यप्रदेश की सीमा में दाखिल हुआ था।

इस दौरान हाथी ने अनूपपुर वन परिक्षेत्र के कई गांवों में नुकसान पहुंचाया। 26 अप्रैल को भोलगढ़ में एक महिला की मौत, 30 अप्रैल को कुसुमहाई गांव में एक युवती की मौत और 13 मई को शहडोल जिले के गिरवा गांव में एक व्यक्ति की मौत के बाद ग्रामीणों में भय और आक्रोश बढ़ गया है। रविवार रात भी हाथी रामपुर जंगल से निकलकर बैरिहा गांव पहुंचा, जहां उसने एक घर में तोड़फोड़ कर अनाज खाया। ग्रामीणों के शोर मचाने पर वह वापस जंगल में चला गया, लेकिन बाद में फिर खेतों में पहुंचकर फसलों और पेड़ों को नुकसान पहुंचाया। सोमवार सुबह हाथी दोबारा रामपुर जंगल में देखा गया।वन विभाग ने बताया कि बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व की रेस्क्यू टीम सोमवार को हाथी के व्यवहार और गतिविधियों का परीक्षण करेगी। इसके बाद उसे पकड़ने और सुरक्षित स्थान पर भेजने को लेकर निर्णय लिया जाएगा।इधर, रामलाल रौतेल ने कहा कि क्षेत्र में बढ़ती घटनाओं को देखते हुए प्रशासन और वन विभाग से लगातार संपर्क किया जा रहा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जल्द ही लोगों को हाथी की दहशत से राहत दिलाने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

व्यापार समाचार

48 घंटों में दूसरी बढ़ोतरीः वैश्विक तेल संकट के बीच दिल्ली में सीएनजी फिर से हुई महंगी

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली में सीएनजी फिर से महंगी हो गई है। रविवार को इसकी कीमतों में 1 प्रति रुपए किलोग्राम की बढ़ोतरी की गई। सिर्फ दो दिनों में यह दूसरी बार बढ़ोतरी हुई है, जिससे दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में यात्रियों पर ईंधन की लागत का बोझ और बढ़ गया है।

दिल्ली में सीएनजी की कीमत एक रुपए बढ़ने के बाद रविवार को 80.09 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई। यह पहली बार है कि दिल्ली में सीएनजी के दाम 80 रुपए के आंकड़े को पार कर गए हैं। इस बढ़ोतरी के बाद नोएडा और गाजियाबाद में सीएनजी की कीमत अब 88.70 रुपए प्रति किलोग्राम होगी।

इससे पहले शुक्रवार को सीएनजी की कीमतों में 2 रुपए प्रति किलोग्राम का इजाफा किया गया। उस समय दिल्ली में सीएनजी की दर बढ़कर 79.09 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई थी।

शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में पेट्रोल की कीमतों में लगभग 3 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमतों में लगभग 3 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी भी हुई थी। इस बदलाव के बाद दिल्ली में पेट्रोल 97.77 रुपए प्रति लीटर और डीजल 90.67 रुपए प्रति लीटर की दर से बिक रहा है।

ईंधन की कीमतों में यह उछाल पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा व्यापार मार्गों में से एक होर्मुज स्ट्रेट की लगातार नाकेबंदी के बीच आया है। वैश्विक तेल और गैस व्यापार का लगभग पांचवां हिस्सा इसी संकरे मार्ग से होकर गुजरता है और आपूर्ति में रुकावटों के कारण अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं।

ईंधन की बढ़ती कीमतों को लेकर हो रही आलोचना का जवाब देते हुए बीते दिनों केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल के बावजूद भारत पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी को सीमित रखने में सफल रहा है।

उन्होंने बताया कि कई देशों में ईंधन की कीमतों में 20 प्रतिशत से लेकर लगभग 100 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी देखी गई, जबकि भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में क्रमशः केवल 3.2 प्रतिशत और 3.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। रिजिजू ने कहा कि वैश्विक बाजार अस्थिर हैं, फिर भी भारत की सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों ने उपभोक्ताओं को मुद्रास्फीति के बड़े प्रभाव से बचाने के लिए हफ्तों तक भारी नुकसान उठाया।

सोने में मामूली तेजी, चांदी 2.73 लाख रुपए के पार

मुंबई (आरएनएस)। सोने और चांदी की शुरुआत सोमवार को गिरावट के साथ हुई। हालांकि, शुरुआत कारोबार में ही दोनों कीमती धातु हरे निशान में आ गए थे। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के 5 जून 2026 के कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,58,547 रुपए के मुकाबले 471 रुपए या 0.29 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,58,076 रुपए था। लेकिन शुरुआत कारोबार में ही इसमें तेजी देखी गई। सुबह 9ः15 पर यह 133 रुपए या 0.08 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,58,680 रुपए पर था। अब तक के कारोबार में सोने ने 1,57,547 रुपए का न्यूनतम स्तर और 1,58,547 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है।चांदी का 3 जुलाई, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,71,886 रुपए के मुकाबले 4,486 रुपए या 1.64 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,67,400 रुपए पर खुला था। शुरुआत कारोबार में ही इसमें तेजी देखने को मिली थी। खबर लिखे जाने तक यह 764 रुपए या 0.28 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,72,650 रुपए पर था। अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,64,949 रुपए का न्यूनतम स्तर और 2,74,145 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है। दूसरी तरफ वैश्विक स्तर पर सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट देखी जा रही है।

भारत निवेश, इनोवेशन और मैन्युफैक्चरिंग के लिए दुनिया के सबसे आकर्षक गतंव्यों में से एक : पीएम मोदी

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत निवेश, इनोवेशन और मैन्युफैक्चरिंग के लिए दुनिया के सबसे आकर्षक गतंव्यों में एक है। इसके साथ, उन्होंने यूरोपीय कंपनियों को एक विश्वसनीय और भरोसेमंद आर्थिक भागीदार के रूप में देश के साथ अपने जुड़ाव को और गहरा करने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

मोदी ने गोथेनबर्ग में यूरोपीय उद्योग गोलमेज (ईआरटी) को संबोधित किया और इसमें भारत और यूरोप के बीच बढ़ते रणनीतिक सामंजस्य को रेखांकित किया। साथ ही, एक अधिक जटिल और अनिश्चित वैश्विक परिवेश में विश्वसनीय साझेदारियों के महत्व पर बल दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत-यूरोपीय संघ संबंधों में हो रही प्रगति का स्वागत किया, जिसमें ऐतिहासिक भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की वार्ताओं का सफल समापन भी शामिल है। उन्होंने इस समझौते को एक परिवर्तनकारी आर्थिक साझेदारी बताया, जो व्यापार, प्रौद्योगिकी, विनिर्माण, सेवाओं तथा सुदृढ़ आपूर्ति शृंखलाओं में नए

अवसर सृजित करेगी।

उन्होंने भारत की तीव्र आर्थिक प्रगति, अगली पीढ़ी के आर्थिक सुधारों, शासन में व्यापार सुगमता पर केंद्रित प्रयासों, विस्तृत डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचनाओं, जीवंत विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र तथा तीव्र गति से रूपांतरित हो रहे अवसंरचना क्षेत्र का ज़िक्र किया और भारत के भारत के लिए डिजाइन करें, भारत में निर्माण करें और भारत से निर्यात करें के दृष्टिकोण को दोहराया तथा यूरोपीय कंपनियों को भारत के साथ एक विश्वसनीय और भरोसेमंद आर्थिक साझेदार के रूप में अपने जुड़ाव को और गहरा करने के लिए आमंत्रित किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और यूरोप को मिलकर लचीली एवं विविधीकृत आपूर्ति शृंखलाएं विकसित करनी चाहिए। उन्होंने भारत के महत्वाकांक्षी अवसंरचना और ऊर्जा परिवर्तन का जिक्र किया, जिसमें परिवहन, लॉजिस्टिक्स, अक्षय ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन तथा परमाणु ऊर्जा में बड़े पैमाने पर निवेश शामिल है।

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत और यूरोप के बीच प्रतिभा गतिशीलता, शिक्षा तथा कौशल साझेदारियों के महत्व पर भी बल दिया। उन्होंने भारत के युवा और कुशल कार्यबल को भविष्य की वैश्विक आर्थिक वृद्धि के लिए एक प्रमुख शक्ति बताया तथा जन-से-जन संबंधों और नवाचार साझेदारियों को और गहरा करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

ईरान जंग की आहट से सेंसेक्स-निफ्टी धड़ाम, मिनट भर में डूब गए 8 लाख करोड़

मुंबई(आरएनएस)। कमजोर वैश्विक संकेतों के चलते भारतीय शेयर बाजार सोमवार के कारोबारी सत्र में गिरावट के साथ खुला। सुबह 9:18 पर सेंसेक्स 851 अंक या 1.08 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 74,422 और

निफ्टी 246 अंक या 1.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,392 पर था।बाजार में चौतरफा बिकवाली देखी जा रही है। सूचकांकों में निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी रियल्टी लूजर्स थे। निफ्टी मीडिया, निफ्टी ऑटो, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी पीएसई, निफ्टी कंजप्शन और निफ्टी एनर्जी के साथ करीब सभी सूचकांक लाल निशान में थे। लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी गिरावट देखी गई। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 246 अंक या 1.38 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 17,635 और निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 690अंक या 1.14 प्रतिशत की गिरावट के साथ 59,876 पर था। इस गिरावट के साथ मिनट भर में निवेशकों के 8 लाख करोड़ डूब गए। सेंसेक्स पैक में इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, टीसीएस और भारती एयरटेल गेनर्स थे। पावर ग्रिड, टाटा स्टील, मारुति सुजुकी, एचडीएफसी बैंक, टाइटन, एमएंडएम, एचयूएल, बजाज फाइनेंस, इंडिगो, एसबीआई, बजाज फिनसर्व, ट्रेंट, अल्ट्राटेक सीमेंट, इटरनल, एशियन पेंट्स, एलएंडटी, कोटक महिंद्रा बैंक, बीईएल, एनटीपीसी और आईटीसी लूजर्स थे।ज्यादातर एशियाई बाजारों में लाल निशान में कारोबार हो रहा था। टेक्यो, शंघाई, बैंकॉक, हांगकांग और जकार्ता लाल निशान में थे, जबकि सोल हरे निशान में था।

शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

सेंसेक्स 77 अंक ऊपर आया, निफ्टी 23,649.95 पर बंद

मुंबई (ए.) । भारतीय शेयर बाजार सोमवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों से बाजार नीचे आया हालांकि इसके बाद हुई रिकवरी से दिन भर के करोबार के बाद बाजार बढ़त पर बंद हुआ। आज बीएसई सेंसेक्स ने दिन के निचले स्तर से 1,100 अंकों से ज्यादा जबकि एनएसई निफ्टी 50 ने दिन के निचले स्तर से 300 अंकों से ज्यादा की रिकवरी की । इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 77.05 अंक बढ़कर 75,315.04 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 6.45 अंक ऊपर आकर 23,649.95 पर बंद हुआ। आज प्रमुख बेंचमार्कों की तुलना में व्यापक बाजारों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। निफ्टी स्मॉलकैप और निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में गिरावट रही।

क्षेत्रवार देखें तो निफ्टी आईटी में 2.43 फीसदी की बढ़त रही और इसने अन्य क्षेत्रों से बेहतर प्रदर्शन किया। निफ्टी फार्मा, निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी हेल्थकेयर के शेयर भी ऊपर आये जबकि निफ्टी मीडिया, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी पीएसयू बैंक के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही। निफ्टी मेटल, निफ्टी ऑयल एंड गैस और निफ्टी रियल्टी शेयरों का प्रदर्शन भी अच्छा नहीं रहा।

वहीं निफ्टी50 इंडेक्स में टेक महिंद्रा, इंफोसिस, भारती एयरटेल, सन फार्मा, विप्रो, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, एचसीएल टेक, टीसीएस और कोटक बैंक के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी रही जबकि टाटा स्टील, पावरग्रिड, एनटीपीसी, एसबीआई, बजाज-ऑटो, आयशर मोटर, ट्रेंट और मारुति के शेयरों सबसे ज्यादा गिरे।

रुपया रिकॉर्ड निचले स्तर 96.25 डॉलर पर खुला

– रुपया शुक्रवार को सर्वकालिक निचले स्तर 95.81 पर बंद हुआ था

मुंबई (ए.)। रुपया सोमवार को कमजोर रुख के साथ खुला और शुरुआती कारोबार में अपने अब तक के सबसे निचले स्तर 96.25 प्रति डॉलर पर आ गया। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, वैश्विक अनिश्चितताओं और मजबूत डॉलर के कारण घरेलू मुद्रा पर दबाव है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, मजबूत अमेरिकी डॉलर और जारी भू-राजनीतिक तनावों ने उभरते बाजारों की मुद्राओं को मुश्किल में डाल दिया है। रुपये पर इस तनाव का असर अब स्पष्ट नजर आ रहा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 96.19 प्रति डॉलर पर खुला। फिर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.25 पर लुढ़क गया जो पिछले बंद भाव से 44 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96 के स्तर तक लुढ़कने के बाद सर्वकालिक निचले स्तर 95.81 पर बंद हुआ था।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

मुनाफा कमाने की प्रवृत्ति

दवा एवं मेडिकल उपकरणों की ऐसी कीमत तय की जा सकती है, जो कारखाना लागत से चार से पांच गुना अधिक हो। जबकि फिलहाल अस्पताल और रिटेलर इनको लागत से 10 से 25 गुना तक अधिक कीमत पर बेच रहे हैं।ये खबर आक्रोश जरूर पैदा करती है, मगर चौंकाने वाली बिल्कुल नहीं है, कि अस्पताल एवं खुदरा विक्रेता कुछ मेडिकल उपकरणों एवं दवाओं की फैक्टरी मूल्य या आयात लागत की तुलना में 25 गुना अधिक कीमत मरीजों से वसूल रहे हैं। प्राइवेट अस्पताल मरीजों को निचोड़ने का स्थल बन गए हैं, यह आम तजुर्बा बनता गया है। मगर बात इस हद तक पहुंच जाए कि दवा निर्माता कंपनियां ही इसकी शिकायत करने लगें, तो समझा जा सकता है कि हेल्थ केयर सेक्टर में मुनाफा कमाने की प्रएक खबार की रिपोर्ट के मुताबिक दवा निर्माता कंपनियों ने गुजरे तकरीबन दो साल में कई बार केंद्र को पत्र भेजा। उनकी सरकारी अधिकारियों के साथ बैठक भी हुई। इनमें दवा कंपनियों ने न्यूनतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) के ऊपर कमाये जा रहे मुनाफे की सीमा तय करने की मांग की। स्पष्टत: केंद्र ने इन गुजारिशों को गंभीरता से नहीं लिया। इस आधार पर कहा जा सकता है कि अस्पतालों और रिटेलर्स के अनुचित मुनाफे पर लगाम लगाना उसकी प्राथमिकता नहीं है। लगभग 300 दवा निर्माता कंपनियों के संगठन एसोसिएशन ऑफ इंडियन मेडिकल डिवाइसेज (एआईएमईडी) के पदाधिकारियों ने कहा है कि जो हो रहा है, मरीज उसको लेकर अंधेरे में हैं।एआईएमईडी ने सरकार को दी गई अर्जी में 'उचित, अधिक पारदर्शी, एवं मरीज केंद्रित मेडिकल उपकरण मार्केट' बनाने का अनुरोध किया था। इसमें कहा गया कि असल एमआरपी से अधिक कीमत वसूलने की प्रवृत्ति रोकी जानी चाहिए। मिसाल के तौर पर ड्रेसिंग, बैंडेज और प्लास्टर की ऐसी कीमत तय की जा सकती है, जो कारखाना लागत की तुलना में चार से पांच गुना अधिक हो। जबकि फिलहाल अस्पताल और रिटेलर इनको कारखाना लागत से 10 से 20 गुना अधिक कीमत पर बेच रहे हैं। एआईएमईडी ने नेशनल फर्मास्यूटिकल प्राइसिंग ऑथरिटी को भी पत्र लिखा, जिसे आवश्यक दवाओं की कीमत तय करने का अधिकार मिला हुआ है। मगर कहीं कोई चिंता ना देखने के बाद कंपनियों ने ये तथ्य मीडिया के जरिए सार्वजनिक किए हैं। उनका ये कदम काबिल-ए-तारीफ है। मगर सरकार के रुख को असंवेदनशील और लापरवाह ही कहा जाएगा।

पेपर लीक का बम प्रधान पर फोड़ने की तैयारी में राहुल गांधी

सनत जैन /

लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के हाथ में नीट-यूजी पेपर लीक का बम आ गया है। यह ऐसा बम है, जिसमें लाखों युवा और उनके करोड़ों परिवारजन का भविष्य और नाराजी जुड़ी हैं। करोड़ों लोगों को प्रभावित करने वाले इस बम को लेकर, राहुल गांधी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने लगातार परीक्षा पेपर लीक होने के मामले को सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से इस्तीफा लेने या बर्खास्त करने की सीधी मांग कर दी है। देश के विभिन्न राज्यों में पेपर लीक की 80 से ज्यादा घटनाएं हो चुकी हैं। नीट परीक्षा के 2024 में पेपर लीक हुए थे। इस परीक्षा में बड़ी संख्या में लोग 700 से ज्यादा अंक लेकर हजारों परीक्षार्थी पास हुए थे। जिनके एडमिशन एम्स और अन्य सरकारी मेडिकल कॉलेज में नीट परीक्षा परिणाम के बाद हुए थे। उस परीक्षा में भी बड़े पैमाने पर गड़बड़ी के आरोप लगे थे। उस समय यह मामला रफा-दफा हो गया था। सुप्रीम कोर्ट के बीच में आ जाने के कारण ना तो दोबारा परीक्षा हुई, ना ही परीक्षा परिणाम को लेकर सरकार ने कोई जांच कराई। नीट परीक्षा में लगातार गड़बड़ी की शिकायत आती रही है। देश में हजारों करोड़ों रुपए का यह ऐसा घोटाला है। जो एम्स और सरकारी मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के नाम पर पिछले कई वर्षों से चल रहा है। सरकारी मेडिकल कॉलेजों की फीस, निजी कॉलेजों की तुलना में बहुत कम होती है। प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों की फीस लाखों रुपए प्रतिवर्ष तक पहुंचती है। ऐसी स्थिति में नीट परीक्षा के माध्यम से सरकारी मेडिकल कॉलेजों में दाखिला दिलाने के नाम पर कोचिंग सेंटर, दलाल इस गोरखधंधे में शामिल होकर करोड़ों रुपए की कमाई कर रहे हैं। परीक्षा से जुड़े लोगों को हर साल करोड़ों रुपयों की कमाई हो रही है। इस बार भी करीब 22 लाख छात्र-छात्राओं ने नीट के फॉर्म भरे थे। हजारों करोड़ों रुपए की फीस परीक्षार्थियों से वसूली गई। कोचिंग सेंटर में हजारों करोड़ों रुपए छात्र-छात्राओं ने खर्च किए हैं। कई छात्र-छात्राओं ने दो से तीन साल तक रात दिन मेहनत करके इस परीक्षा की तैयारी की

थी। पेपर लीक हो जाने से सबके भविष्य में प्रश्न चिन्ह लग गया है। इस मामले को लेकर लगभग सभी राज्यों के युवा अब सड़कों पर आ गए हैं। दक्षिण के राज्यों ने अलग तरह से प्रवेश परीक्षा संचालित करने की बात करना शुरू कर दी है। अभी तक 80 बार से ज्यादा विभिन्न परीक्षाओं के पेपर लीक हो चुके हैं। युवा वर्ग इस समय काफी नाराज है। सभी राज्यों में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। ऐसी स्थिति में राहुल गांधी ही एक ऐसे नेता हैं, जिन्होंने खुलकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा लेने या बर्खास्त करने का दबाव प्रधानमंत्री पर बनाना शुरु कर दिया है। इस्तीफे के इस बम को आसानी से डिफ्यूज कर पाना केंद्र सरकार और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के बस की बात नहीं होगी। इस बार इस लड़ाई में राहुल गांधी के साथ बड़े पैमाने पर युवा भी साथ में है। रही सही कसर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश द्वारा बेरोजगारों और फर्जी डिग्री धारकों के लिए परजीवी होने तथा जो असंवेदनशील टिप्पड़ी की है, उसके बाद से युवाओं में नाराजी बढ़ गई है।

न्यायपालिका पर विश्वास भी एक तरह से कम हो गया है। जांच एजेंसी सीबीआई हमेशा छात्रों पर कार्यवाही करती है। व्यापम से लेकर अभी तक दर्जनों बार व्यापम और नीट के जो पेपर लीक हुए हैं, उसमें कार्यवाही हमेशा निर्दोष छात्रों के ऊपर हुई है। कभी किसी भी धंधेबाज और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्यवाही नहीं की गई है। नैतिकता या जिम्मेदारी के आधार पर कुर्सी पर बैठे हुए नेताओं ने कभी इस्तीफा नहीं दिया है। जिम्मेदार अधिकारियों पर भी कभी कोई कार्यवाही नहीं हुई है। जिसके कारण युवा नाराज होकर सड़कों पर प्रदर्शन कर रहा है।

इस समय मंहगाई, बेरोजगारी तथा पेपर लीक को लेकर राहुल गांधी के हाथ में एक ऐसा मौका लग गया है, जिससे वह सरकार और केंद्रीय शिक्षा मंत्री को कटघरे में खड़ा कर रहे हैं। 12 साल में पहली बार मोदी सरकार के किसी मंत्री से, विपक्ष ने इस्तीफा के लिए दबाव बनाया है।

यह दबाव खाली जाएगा, ऐसा दिखता नहीं है। राहुल गांधी अब विपक्ष की राजनीति करना सीख गए हैं। मौके का फायदा किस तरह से उठाया जाता है, यह जान गए हैं। वर्तमान स्थिति में छात्रों और युवाओं के गुस्से को देखते हुए धर्मेंद्र प्रधान को ढाल बनाकर इस्तीफा देने का दबाव बना चुकें हैं। आर्थिक संकट से घिरी सरकार पर राहुल गांधी लगातार हमले कर रहे हैं। इसकी परिणति किस रुप में होगी कहना मुश्किल है।

(चिंतन-मनन) चिंतन सही हो

एक व्यक्ति ने अपने मित्र से साठ रूपए उधार लिए। कुछ दिनों बाद वह आया और बीस रूपए देकर बोला, सारे रूपए आ गए? मित्र ने कहा, साठ दिए थे और तुम बीस लौटा रहे हो, तो अभी चालीस रूपए बाकी रहेंगे। तीस और तीस साठ होते हैं। उसने कहा, नहीं, दस और दस साठ होते हैं। मैंने साठ रूपए लौटा दिए हैं। मित्र ने कहा, भोले आदमी! दस और दस बीस ही होते हैं। तीस और तीस साठ होते हैं। उसने कहा, मैं इस बात को नहीं मानता। मैं तो यही मानता हूं कि दस और दस साठ होते हैं। मेरी मान्यता मेरे पास और तुम्हारी मान्यता तुम्हारे पास।

से मानने वाले को विधाता भी नहीं समझा सकता। गणित का नियम -दस और दस बीस होते हैं। कोई व्यक्ति इस गणित के नियम को जानने की बात छोड़कर मानने की बात को ही पकड़ बैठता है तो उसका कोई इलाज नहीं है। हम मानने की बात को छोड़ दें और जानें। सदा जानने का प्रयत्न करें। सदा जानें। हम विशिष्ट उपलब्धियों के लिए प्रयत्न करें। वे प्राप्त हों तो ठीक है, न हों तो कोई बात नहीं। पुरूषार्थ को सही दिशा में लगाएं। पुरूषार्थ निरंतर हमारा साथ दे। हम प्रयत्न को बंद न करें।

पुरूषार्थ को साथ लेकर चलें। मन और शरीर को विशेष आदेश दें। मन जो भटकता रहता है, अनेक प्रवृत्तियों में संलग्न रहता है, बहुत अधिक सक्रिय और गतिशील है, उस पर हम कुछ नियंत्रण करें। मन की सक्रियता को कम करें।

मायावती की निष्क्रियता : क्या खत्म हो जाएगी बसपा?

- दिलीप कुमार पाठक

उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक समय ऐसा था जब मायावती का नाम सुनते ही विरोधी दल अपनी रणनीति बदलने लगते थे। लेकिन आज जमीनी हकीकत पूरी तरह बदल चुकी है। देश की सियासत में यह चर्चा बहुत तेज है कि मायावती की जमीनी स्तर पर बढ़ती निष्क्रियता और पार्टी का लगातार गिरता वोट बैंक बहुजन समाज पार्टी यानी बसपा को खत्म होने की कगार पर ले आया है। नौबत यहां तक आ गई है कि बसपा से उसका राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा भी कभी भी छिन सकता है। अगर हम आंकड़ों को देखें, तो बसपा की हालत इस समय सबसे खराब दौर में है। देश और उत्तर प्रदेश के चारो सदनों को मिलाकर देखें तो पार्टी के पास अब नाममात्र के नेता बचे हैं। लोकसभा चुनाव में अकेले चुनाव लड़ने वाली बसपा का खाता तक नहीं खुला और देश के सबसे बड़े सदन में उसकी सीटें आज शून्य हैं। देश के उच्च सदन यानी राज्यसभा में बसपा का सिर्फ एक सांसद बचा है, जिनका कार्यकाल नवंबर 2026 में खत्म हो जाएगा। इसके बाद बसपा का कोई नया सांसद राज्यसभा नहीं जा पाएगा क्योंकि उत्तर प्रदेश विधानसभा में पार्टी के पास विधायक ही नहीं हैं।जिस उत्तर प्रदेश में कभी मायावती ने चार बार मुख्यमंत्री बनकर सरकार चलाई थी, आज वहां की 403 विधानसभा सीटों में से बसपा के पास केवल एक विधायक बचा है। वहीं, उत्तर प्रदेश विधान परिषद में भी बसपा की सीटें अब जीरो हो चुकी हैं। इस भारी गिरावट का सबसे बड़ा कारण मायावती की राजनीति करने का तरीका है।

मियावकी वन तकनीक से हरित छत्तीसगढ़ की ओर बढ़ते कदम

कम समय में घने जंगल तैयार कर पर्यावरण संरक्षण को मिल रही नई दिशा

धनंजय राठौर,अशोक कुमार चंद्रवंशी

वन क्षेत्र बढ़ाने के लिए मियावाकी तकनीक एक बेहद प्रभावी और लोकप्रिय विधि बन गई है। जापानी वनस्पतिशास्त्री डॉ. अकीरा मियावाकी द्वारा विकसित यह तकनीक केवल 2-3 वर्षों में बंजर भूमि को घने, आत्मनिर्भर सूक्ष्म वनों में बदल देती है। पारंपरिक वृक्षारोपण की तुलना में यह विधि 10 गुना तेजी से बढ़ती है और 30 गुना अधिक घने जंगल बनाती है, जो शहरी क्षेत्रों के लिए आदर्श है।

छत्तीसगढ़ में पर्यावरण संरक्षण और वन क्षेत्र बढ़ाने के लिए मियावकी वन तकनीक तेजी से अपनाई जा रही है। राज्य में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग तथा छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम लिमिटेड द्वारा इस तकनीक के जरिए शहरी क्षेत्रों, औद्योगिक क्षेत्रों और खनन प्रभावित इलाकों में बड़े पैमाने पर हरियाली विकसित की जा रही है। मियावकी पद्धति में स्थानीय प्रजातियों के पौधों को अधिक घनत्व में लगाया जाता है, जिससे मात्र 3 से 5 वर्षों में घना जंगल तैयार हो जाता है।

राज्य में तेजी से बढ़ रहा सघन वनीकरण

छत्तीसगढ़ में वर्ष 2022 से मियावकी पद्धति के तहत लगातार वृक्षारोपण किया जा रहा है। वर्ष 2022 में कोटा मण्डल में एनटीपीसी लिमिटेड के सहयोग से 1 हेक्टेयर क्षेत्र में 23 हजार पौधे तथा 0.3 हेक्टेयर में 7 हजार पौधे लगाए गए। वर्ष 2023 में कोटा के भिल्मी क्षेत्र में 6.4 हेक्टेयर भूमि पर 64 हजार पौधों का रोपण किया गया। वहीं गेवरा क्षेत्र में 2 हेक्टेयर भूमि पर 20 हजार पौधे लगाए गए। वर्ष 2024 में कोटा के उच्चभट्टी क्षेत्र में 3.2 हेक्टेयर में 32 हजार पौधे लगाए गए। इसके अलावा रायगढ़ मण्डल के तिलईपाली और छाल क्षेत्रों में कुल 3.75 हेक्टेयर भूमि पर 37 हजार 500 पौधों का सफल रोपण किया गया।

वर्ष 2025 में कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं जारी

वर्तमान में राज्य के कई क्षेत्रों में वृक्षारोपण कार्य तेजी से जारी है। बारनवापारा मण्डल में 'हरियर छत्तीसगढ़' योजना के तहत 6 हजार पौधे लगाए जा रहे हैं। कोरबा और रायगढ़ क्षेत्रों में साउथ इस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड के सहयोग से 4 हेक्टेयर क्षेत्र में 40 हजार पौधों का रोपण किया जा रहा है। वहीं विशेष परियोजनाओं के अंतर्गत महानदीकोलफील्ड लिमिटेड द्वारा 1.9 हेक्टेयर भूमि पर 64 हजार पौधे लगाए जा रहे हैं। इसके साथ ही अरपा नदी के किनारे भी बड़े पैमाने पर पौधारोपण कर हरित क्षेत्र का विस्तार किया जा रहा है।

पर्यावरण संरक्षण में मिल रहे बहुआयामी लाभ

विशेषज्ञों के अनुसार मियावकी वन सामान्य जंगलों की तुलना में अधिक कार्बन अवशोषित करते हैं। इससे जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने में मदद मिलती है। यह तकनीक वायु और ध्वनि प्रदूषण को कम करने, भू-जल स्तर सुधारने और मिट्टी संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इन वनों की शुरुआती वर्षों में देखभाल की जाती है, जिसके बाद ये जंगल स्वत: विकसित होने लगते हैं। इससे रखरखाव की लागत कम होती है और लंबे समय तक पर्यावरणीय लाभ मिलता है।

बंजर डंप क्षेत्र से हरित जंगल बनने की ओर गेवरा की प्रेरक पहल

छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम लिमिटेड ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक अनूठी पहल करते हुए कोरबा जिले के गेवरा क्षेत्र के 12.45 हेक्टेयर डंप क्षेत्र में 33 हजार 935 मिश्रित प्रजातियों के पौधों का सफल रोपण किया है। वन मंत्री केदार कश्यप ने इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार पर्यावरण संरक्षण और हरित क्षेत्र बढ़ाने के लिए लगातार प्रभावी कदम उठा रही है।

जहां हरियाली संभव नहीं थी, वहां तैयार हो रहा जंगल

कोयला खनन के बाद डंप क्षेत्रों में उपजाऊ मिट्टी नीचे दब जाती है और ऊपर पत्थर, कोयला अवशेष तथा अनुपजाऊ मिट्टी रह जाती है। ऐसे क्षेत्रों में पौधों का उगना बेहद कठिन माना जाता है। लेकिन वैज्ञानिक पद्धति और सतत प्रयासों से इस बंजर भूमि को अब हरियाली में बदला जा रहा है।

वैज्ञानिक तरीके से किया गया पौधारोपण

डंप क्षेत्र की कठिन परिस्थितियों को देखते हुए मिट्टी को उपजाऊ बनाने के लिए वर्मी कम्पोस्ट, नीमखली और डीएपी का उपयोग किया गया। जीपीएस सर्वे और सीमांकन के बाद व्यवस्थित गड्ढे तैयार किए गए तथा 3 से 4 फीट ऊंचाई वाले स्वस्थ पौधों का रोपण किया गया। इस क्षेत्र में नीम, शीशम, सिरस, कचनार, करंज, आंवला, बांस, महोगनी, महुआ और बेल जैसी विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए हैं। इससे आने वाले समय में यह क्षेत्र पक्षियों और अन्य वन्य जीवों के लिए भी उपयुक्त आवास बन सकेगा।

मेष राशि: आज का दिन आपके लिए बेहद खास पल लेकर आया है। भाई और माता से सहयोग मिलेगा, आपका पराक्रम बढ़ेगा। सहकर्मियों के सहयोग से कार्य को निर्धारित समय में संपन्न करेंगे। खान पान का उचित ध्यान रखें।

वृष राशि: आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। घर की सफाई अथवा नवीनीकरण के कार्यों में व्यस्त रहेंगे। आप अपनी कार्यक्षमता को दूसरों के आगे साबित कर पाने में सफल होंगे। पिता व गुरुजनों से सम्मान प्राप्त होगा। व्यापारिक वर्ग की निराशा आशा में परिवर्तित होगी, नये-नये प्रोजेक्ट मिलेंगे। आज विदेश में रह रहे आपके दोस्त आपको वहां आने का निमंत्रण दे सकते हैं या फिर काम के सिलसिले में भी आपको वहां बुलाया जा सकता है।

मिथुन राशि: आज आपका दिन एक नई उमंग लेकर आएगा। आपके लिए आय के नए द्वार खुलने की संभावना है। छात्रों को शिक्षा में आश्चर्यजनक परिणाम मिल सकते हैं। आपके घर में सुख शांति का माहौल बनेगा। आपकी आध्यात्मिक और धार्मिक मामलों में रुचि बढ़ेगी। किसी मित्र की सहायता से आपके बिगड़े हुए कार्य बनेंगे और पिछले किये गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। जमीन संबंधी कार्य में पैसा लगाने से फायदा मिल सकता है। कामकाज में भी उत्साह बने रहने के संकेत हैं।

कर्क राशि: आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। सार्वजनिक एवं प्रोफेशनल कार्यों में अनुकूल संयोग बनेंगे। किसी समस्या को दूर करने के लिए परिवार के सदस्यों के साथ बैठकर विचार विमर्श करेंगे। हर काम समय पर पूर्ण होने से आनंद का अनुभव होगा। धन की कमी दूर होने से आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी।

सिंह राशि: आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आज आपका मन कुछ उलझन में रहेगा, लेकिन जीवनसाथी के साथ बातों को शेयर करने से सब ठीक हो जायेगा। आज जल्दबाजी में महत्वपूर्ण निर्णय ना लें, इसके बारे में अच्छी तरह से सोच लें। दोस्ती के रिश्तों में और प्रगाढ़ता आएगी।

कन्या राशि: आज का दिन आपके लिए मिला जुला अनुभव देने वाला रहेगा। सकारात्मक सोच व संतुलित दृष्टिकोण से आप असंभव कार्यों को भी संभव कर पाएंगे। विद्यार्थियों को मनचाही सफलता पाने के लिए थोड़ी और मेहनत करने की जरूरत है, सफलता के योग भी बने हुये हैं।

तुला राशि: आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आपके पारिवारिक रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी। आज आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। ऑफिस में कुछ कार्यों की जिम्मेदारी आपको दी जायेगी, जिसे पूरा करने में आप सफल होंगे। खान पान की तरफ भी आपको ध्यान देने की आवश्यकता है।

वृश्चिक राशि: आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। संतान पक्ष से मन को संतोष मिलेगा। जो लोग नया बिजनेस शुरू करना चाहते हैं या नौकरी में नए अवसर खोज रहे हैं, उनके लिए अनुकूल समय है। आज किसी काम को लेकर आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज ऑफिस में आपकी पर्सनालिटी की तारीफ होगी। आज आपको जो भी बेहतर परिणाम हासिल होंगे, उसमें आपकी योग्यता और दूर दृष्टि की प्रमुख भूमिका होगी।

धनु राशि: आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज आपके सामने जो भी कठिन मामले हैं, उन पर बातचीत कर सकते हैं। आज आप जितनी मेहनत करेंगे, आने वाले दिनों में आपको उतना ही फायदा होगा। आपका पूरा ध्यान अपने महत्वपूर्ण कामों पर रहेगा। कई तरह की जिम्मेदारी वाले काम आपके सामने रहेंगे। आज अचानक ही कुछ खास काम करने की योजनाएं आपके दिमाग में आ सकती हैं।

मकर राशि: आज आपका दिन बेहतरीन है। आज सोचे हुए काम करने के लिए और अपनी योजनाओं को पूरा करने के लिए दिन अच्छा रहेगा। किसी रुके हुये काम को पूरा करने में किस्मत का साथ मिलेगा। आज आपको अपने गुण और काम की वजह से सम्मानित किया जायेगा। समाज में प्रतिष्ठा बढ़ सकती है। आज जो जिम्मेदारी मिलेगी, उसे पूरा करने में सक्षम रहेंगे। घर और ऑफिस में शांति महसूस करेंगे।

कुंभ राशि: आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज आपकी कम्युनिकेशन की क्षमता दूसरों को प्रभावित करेगी, जिससे आपको फायदा होगा। नतीजों की चिंता किए बिना मेहनत करेंगे तो कामयाबी अवश्य मिलेगी।

मीन राशि: आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आपका ध्यान केवल और केवल अपने काम के प्रति रहेगा, इसके लिए आप कठोर परिश्रम भी करने के लिए तैयार रहेंगे। आप ज्यादा लोगों से जुड़े रहेंगे, लोग भी आपकी सहायता करने के लिये तत्पर रहेंगे।

ओ पी की विकासपरक राजनीति बनाम सिंदूर पार्क ऑक्सीजोन

मुकेश जैन

किसी शहर का सर्वांगीण विकास एक जटिल और श्रम-साध्य मसला है, विशेषकर किसी पुराने बसाहट वाले शहर का व्यवस्थित विकास बहुत ही पेचीदा होता है। इसके लिये शहरवासियों की जरूरतों की ठीक-ठीक समझ, वहाँ की पारिस्थितिक विशेषताओं, सांस्कृतिक परिवेश, परंपराओं व विरासत के साथ संतुलन स्थापित करना , इसके ठीक समानांतर आधुनिक भविष्य की जरूरतों के साथ भी तालमेल कायम रख पाना और इन सबके बीच ठोस व समयबद्ध कार्ययोजना का निर्माण तथा योजनाओं को धरातल पर उतारने का आवेगपूर्ण संकल्प, सभी का एकजायी होना आवश्यक होता है। यह सुखद संयोग है कि रायगढ़वासियों को इन सभी विशिष्ट योग्यताओं से परिपूर्ण ओ पी चौधरी का कुशल नेतृत्व मिला है और इस अंचल से दिली-लगाव रखने वाले विष्णु देव साय मुख्यमंत्री के रूप में हमारे साथ हैं। कहते हैं कि जब नेतृत्व सबल, नियत साफ और सोच बड़ी हो तो जनता के सपनों को न केवल पंख लग जाते हैं वरन एक-एक करके सपने साकार भी होने लगते हैं। रायगढ़ में विगत ढाई वर्षों से चल रहे विकास कार्यों की लंबी श्रृंखला इसकी बानगी है। इस श्रृंखला की एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में शहर के हृदय स्थल में नवनिर्मित बेहतरीन ऑक्सीजोन कल मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के करकमलों से आमजनता को अर्पित हुआ है। निश्चित रूप से यह अवसर रायगढ़ के नव-विकास के शिल्पी ओ पी चौधरी की पीठ थपथपाने और हमारे लाड़ले मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त करने का क्षण है। यह रायगढ़ के चेहरे पर एक मीठी व लम्बी मुस्कान बिखरने का क्षण है।

अतीत की उपेक्षा और नया संकल्प- जब हम रायगढ़ के अतीत पर नजर डालते हैं तो हम पाते हैं कि मध्यप्रदेश के धूर-पूर्वी छोर का अंतिम शहर होने के कारण हमारा रायगढ़ दशकों तक भोपाल में बैठे नीति-निर्धारकों की दृष्टि से लगभग ओझल ही रहा। रायगढ़ को 1901 में नगरपालिका परिषद का दर्जा मिला। तब से लेकर 2001 तक 100 वर्षों के लंबे कालखण्ड में रायगढ़ बेहद मंथर गति से यात्रा करता रहा। मध्यप्रदेश के बड़े शहरों की ओट में दुबक कर रायगढ़ यथास्थिति में रहने का अभिशाप झेलता रहा। हमारे आस-पास के रायपुर, बिलासपुर, भिलाई, दुर्ग भी विकास के मामले में हमसे काफी आगे निकल गये। अटल जी द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य की सौगात दिये जाने के बाद परिस्थितियां बदली। 2002 में रायगढ़ को निगम का दर्जा हासिल हुआ। 2003 में नये नेतृत्व को काम करने का मौका मिला और रायगढ़ उपेक्षा के दौर से बाहर निकलकर विकास की दहलीज छूने लगा। इस दौर में कतिपय उल्लेखनीय काम जरूर हुये लेकिन 100 वर्षों के बैकलॉग के सामने ये नाकाफी थे। चूंकि लंबे समय की जड़ता थी इसलिये विकास की मुख्यधारा में लाने के लिये फुटकर प्रयासों से काम नहीं चलने वाला था। उसे एकमुश्त बड़ी छलांग लगाने की जरूरत थी और इस सिद्धि के लिये रायगढ़ किसी ताकतवर एवं सक्षम उद्धारक की बांट जोह रहा था। उनकी वर्षों की यह तलाश ओ पी चौधरी तक आकर पूर्ण हुई है। रायगढ़ के वृहत काया-कल्प हेतु चल रहे सौ से अधिक महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट्स और उन पर ताबड़-तोड़ एक्शन इस बात के जीवंत प्रमाण हैं। विगत दो-ढाई वर्षों के अनथक क्रियाकलापों से ओ पी ने एक ही राजनीति- विकास की राजनीति के मूलमंत्र को कार्य रूप में सिद्ध करके दिखाया है।

विकास अपने-आप में एक विस्तृत व बहुआयामी अवधारणा है। ओ पी चौधरी के लिये विकास का आशय केवल बड़े व मेगा प्रोजेक्ट्स को मूर्तरूप देने तक सीमित नहीं है वरन आम लोगों के आर्थिक व सामाजिक जीवन का उत्थान व जीवन की गुणवत्ता में सकारात्मक बदलाव उनके लिये विकास का असली पैमाना है। विकास कार्यों की लंबी श्रृंखला- नालन्दा परिसर, केलो-नहर निर्माण, प्रस्तावित रिंग रोड, मेरीन ड्राइव, स्टेडियम का उन्नयन, हॉर्टिकल्चर कॉलेज, प्रयास विद्यालय, आधुनिक बस स्टैंड, रेल्वे स्टेशन का आधुनिकीकरण, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट, सीवरेज, सड़क, पुल-पुलियों के साथ ही पहाड़ मंदिर का ईको-सेंटर की तर्ज पर विकास , उर्दना में नगर -वन की स्थापना और शहर के चारों ओर अलग-अलग ऑक्सीजोन का निर्माण यह दर्शाता है कि ओ पी चौधरी लोगों के जीवन में गुणवत्तापूर्ण बदलाव को लेकर कितने संजीदा हैं।

बहुपयोगी सुविधाओं से लैस ऑक्सीजोन -
शहर के बीचों- बीच इतवारी बाजार और कृषि-उपज मंडी का बड़ा भूखंड लगभग अनुपयोगी सा पड़ा था। इस पर कभी मल्टीस्टोरी शापिंग काम्प्लेक्स व मल्टी लेबल आधुनिक पार्किंग की योजना बनी और कभी ऑडिटोरियम निर्माण की योजना बनी लेकिन विभिन्न विभागों में सामंजस्य की कमी और राजनीतिक अड़ंगेबाजी के कारण कोई भी योजना परवान नहीं चढ़ सकी। इस बेशकीमती भूखंड का व्यावसायिक उपयोग करके शासन इसे बड़े आर्थिक रिटर्न व एक नियमित आय का जरिया बना सकती थी लेकिन ओ पी चौधरी ने इसे आम जनता के हितार्थ ऑक्सीजोन के लिये चुना और इसके बहुपयोगी स्वरूप की परिकल्पना की तो उसके पीछे गहरी सोच व गूढ़ निहितार्थ हैं। शहर के आस-पास उद्योगों की स्थापना, शहर के भीतर वृहत कांक्रीटीकरण और बड़ी संख्या में वाहनों की आवाजाही आदि कारणों से शहर में कार्बनडाइऑक्साइडका स्तर अपेक्षाकृत अधिक होता है। अलग-अलग स्थानों में ऑक्सीजोन के निर्माण के द्वारा ऑक्सीजन का स्तर बढ़ाना आम तौर पर पर्यावरणीय संतुलन कायम करने का एक समाधानकारक व बेहतर विकल्प होता है। नवनिर्मित ऑक्सीजोन में विशेषज्ञों की सलाह पर अधिक ऑक्सीजन उत्सर्जन करने वाले पेड़-पौधे लगाये गये हैं, बच्चों के मनोरंजन हेतु झूले-फिसलपट्टी आदि की व्यवस्था है, योग हेतु अलग मंच, ओपन एयर थिएटर सहित वॉकिंग ट्रैक भी है। इससे लगकर एक गेम- जोन व फूडकोर्ट और व्यवस्थित पार्किंग का निर्माण भी किया गया है। संक्षेप में, जहां एक ओर यह ऑक्सीजोन काफी हद तक प्रदूषण से राहत देने वाला केंद्र होगा वहीं दूसरी ओर यह सैर-सपाटे, योग, स्वच्छ हरित पट्टिका, वॉकिंग, कला मंचन आदि की सुविधाओं से लैस उपयोगी स्वास्थ्य केंद्र , कम्युनिटी मीटिंग और कलात्मक व सांस्कृतिक मेल-जोल के केंद्र के रूप में भी उपयोगी सिद्ध होगा।

सीजेआई ने सभी उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों से डिजिटल माध्यम से सुनवाई का आग्रह किया

नई दिल्ली । प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने सोमवार को कहा कि उन्होंने पश्चिम एशिया संकट के मद्देनजर अनावश्यक खर्च में कटौती करने के लिए सभी उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों से फिलहाल सोमवार और शुक्रवार को 'डिजिटल' माध्यम से सुनवाई करने का आग्रह किया है.

शीर्ष अदालत ने 15 मई को, सोमवार और शुक्रवार को केवल वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से मामलों की सुनवाई करने का निर्णय लिया। न्यायाधीशों ने ईंधन के इष्टतम उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए एक-दूसरे के वाहन से न्यायालय आने-जाने की व्यवस्था को प्रोत्साहित करने का ''सर्वसम्मति से संकल्प'' लिया.पश्चिम एशिया संकट के कारण अनावश्यक खर्चों में कटौती करने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान के बाद यह कदम उठाया गया.सोमवार को, वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने एक मामले की सुनवाई के दौरान प्रधान न्यायाधीश के इस निर्णय की सराहना करते हुए कहा कि प्रौद्योगिकी का एकीकरण हुआ है और ऑनलाइन सुनवाई के दौरान न्यायाधीशों ने ''अतिरिक्त धैर्य'' दिखाया.रोहतगी ने कहा, ''मैं ऑनलाइन सुनवाई के लिए प्रधान न्यायाधीश की सराहना करता हूं, क्योंकि आज सभी अदालतों में यह सुचारू रूप से संपन्न हुई.''उन्होंने कहा, ''मैं इस कदम के लिए प्रधान न्यायाधीश की प्रशंसा करता हूं. मैं सभी उच्च न्यायालयों से भी इसका अनुसरण करने का आग्रह करता हूं.''उन्होंने कहा कि डिजिटल माध्यम से सुनवाई से न्यायिक प्रक्रिया में कोई बाधा नहीं आई और ''सभी न्यायाधीशों ने अतिरिक्त धैर्य दिखायाझ. वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सुनवाई सुगमता से संपन्न हुई.''सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने भी इससे सहमति जताते हुए कहा, ''मैं अपने विद्वान मित्र की इन बातों से सहमत हूं.''

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''शुक्रवार को ही मैंने सभी उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों से आग्रह किया था कि यदि संभव हो, तो वे फिलहाल ऑनलाइन सुनवाई करें.''सोमवार और शुक्रवार, विविध मामलों के लिए आरक्षित दिन होते हैं.

वीडी सतीशन ने ली सीएम पद की शपथ, राहुल, प्रियंका और खरगे समेत कांग्रेस के तमाम बड़े नेता रहे मौजूद

नई दिल्ली (आरएनएस)। केरल के नए मुख्यमंत्री के रुप में वीडी सतीशन ने पद की शपथ ली। तिरुवनंतपुरम के सेंट्रल स्टेडियम में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में राज्यपाल ने उन्हें शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए।

वीडी सतीशन के शपथ ग्रहण के साथ ही केरल में सीपीआई(एम) के दिग्गज नेता पिनाराई विजयन के एक दशक लंबे शासन का औपचारिक रूप से अंत हो गया। दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री ओमन चांडी के नेतृत्व में कांग्रेस के आखिरी बार सत्ता में आने के 15 साल बाद कांग्रेस नेतृत्व वाला यूडीएफ सत्ता में लौट आया है। कांग्रेस नेताओं ने इस शपथ ग्रहण को केरल में एक नए राजनीतिक युग की शुरुआत के रूप में वर्णित किया हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस अवसर पर कहा कि ये केरल की ऐतिहासिक जीत है और हम सभी को इसकी बहुत खुशी है।

उन्होंने कहा कि केरल के लोगों के लिए बहुत खास दिन है क्योंकि 10 साल के बाद यूडीएफ सत्ता में आ रही है। एलडीएफ का 10 साल का शासन जनता ने अस्वीकार कर दिया है। अब ये हमारी जिम्मेदारी है कि केरल के लोगों को अच्छी सरकार दें। बता दें कि हाल ही में संपन्न चुनाव में यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) ने जबरदस्त वापसी करते हुए 140 सदस्यों वाली विधानसभा में 102 सीटें जीतीं, जबकि अकेले कांग्रेस ने रिकॉर्ड 63 सीटें हासिल कीं, जो राज्य में उसका अब तक का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन है।

सिरफिरे आशिक की दरिंदगी :

शादी से इनकार करने पर सो रहे परिवार पर फेंका तेजाब, पति-पत्नी और दो बच्चे झुलसे

बरेली ,(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहां के शेरगढ़ इलाके में एक सिरफिरे आशिक ने एकतरफा प्यार में अंधी दरिंदगी दिखाते हुए पूरे परिवार को तेजाब से नहलाने की कोशिश की। इस भयानक हमले में एक महिला, उसका पति और उनके दो मासूम बच्चे गंभीर रूप से झुलस गए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। मच्छरदानी लगाकर सो रहे परिवार पर छत से फेंका ज्वलनशील पदार्थयह रूह कंपा देने वाली घटना शनिवार तड़के करीब 6 बजे की है। भीषण गर्मी की वजह से पीड़ित परिवार अपने घर के बरामदे में मच्छरदानी लगाकर सो रहा था। पुलिस के मुताबिक, इसी दौरान आरोपी दबे पांव छत के रास्ते घर में घुसा और उसने मच्छरदानी के ऊपर से ही परिवार पर कोई खतरनाक ज्वलनशील पदार्थ (तेजाब) फेंक दिया। तरल पदार्थ के छींटे पड़ते ही परिवार के चारों सदस्य बुरी तरह झुलस गए और उनकी चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग इकट्ठा हो गए।मीरगंज के पुलिस क्षेत्राधिकारी ने बताया कि जांच में आरोपी की पहचान उमेश कश्यप के रूप में हुई है। पूछताछ में यह चौंकाने वाला सच सामने आया है कि आरोपी उमेश पहले से ही शादीशुदा है, लेकिन इसके बावजूद वह लक्ष्मी देवी (पीड़िता) से शादी करना चाहता था।

युवती को 6 टुकड़ों में काटा, 5 ट्रेन में मिले, सिर गायब; बक्से में धड़ और हाथ-पैर पॉलिथीन में पैक

लखनऊ ,(आरएनएस)। यूपी की राजधानी लखनऊ में एक युवती की बड़ी बेरहमी से हत्या कर शव को छह टुकड़ों में काटने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। हत्यारों ने उसके सिर कटे धड़ को बक्से में और हाथ व पैर को पॉलिथीन में पैक कर बैग में रखकर छपरा-गोमतीनगर एक्सप्रेस की स्लीपर बोगी में छोड़ दिया। लखनऊ के गोमतीनगर रेलवे स्टेशन पहुंची तो मामले का खुलासा हुआ। शव के पांच टुकड़े बरामद हुए, लेकिन सिर गायब है। जीआरपी के अनुसार, ट्रेन गोमतीनगर स्टेशन पहुंची, तो स्लीपर कोच एस-1 में लावारिस बक्सा और बैग पड़े होने की सूचना मिली। बक्सा खोला गया, तो उसमें 25-30 वर्ष की आयु की महिला का धड़ मिला, जिससे लोग सन्न रह गए। पास रखे बैग से पॉलीथीन में पैक हाथ-पैर बरामद हुए। जांच के लिए तत्काल फोरेंसिक टीम बुलाई गई।

यूपी पंचायत चुनाव का रास्ता साफ, योगी कैबिनेट ने पिछड़ा वर्ग आयोग समेत 12 प्रस्तावों को दी मंजूरी

लखनऊ, (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ मंत्रिमंडल विस्तार और नये आठ मंत्रियों को विभाग आवंटन के बाद बाद आयोजित यूपी कैबिनेट में सोमवार को 12 प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की गई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सरकारी आवास पर आयोजित कैबिनेट की बैठक में 12 प्रस्ताव रखे गए थे और सभी को हरी झंडी दे दी गई। योगी आदित्यनाथ कैबिनेट के फैसलों से यह तो तय है कि सरकार चुनावी दौर और विकास दोनों को साधने की तैयारी में है। यूपी कैबिनेट की बैठक में बड़ा प्रस्ताव पिछड़ा वर्ग आयोग के गठन का था, जिसको भी मंजूरी प्रदान की गई। योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में यूपी कैबिनेट की बैठक में ओबीसी आरक्षण के लिए पिछड़ा वर्ग आयोग बनाने का फैसला लिया गया।इसके साथ लोकतंत्र सेनानियों के लिए कैशलेस इलाज समेत 12 प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई है। कैबिनेट ने ओबीसी आरक्षण के लिए समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग बनाने और लखनऊ और आगरा मेट्रो विस्तार के लिए भूमि आवंटन के एमओयू को मंजूरी दी है।

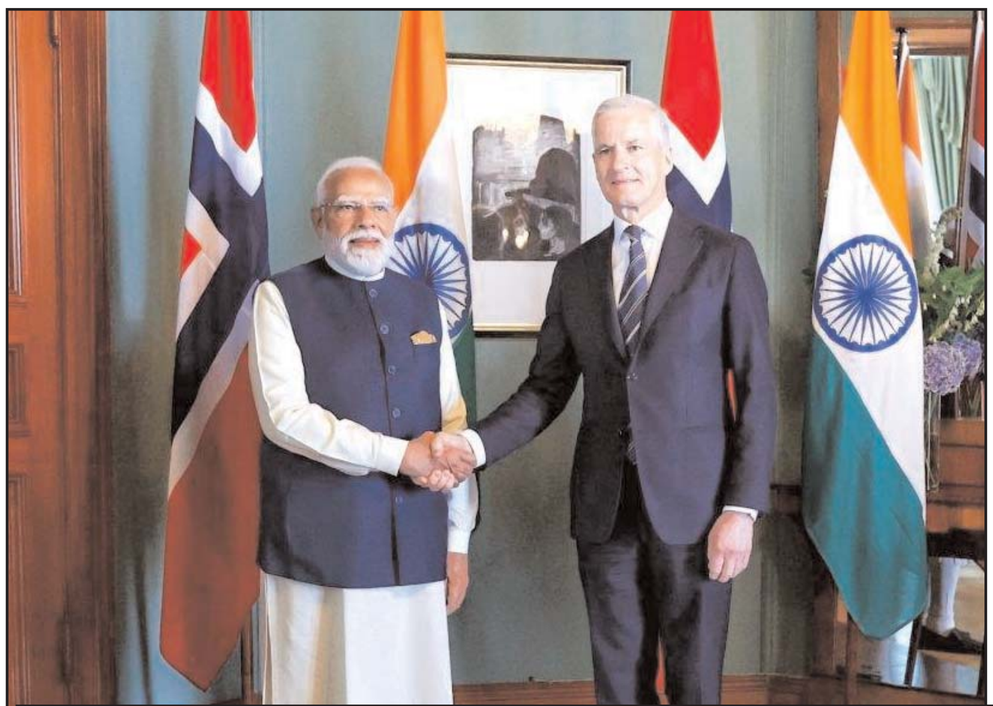

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नॉर्वे के ओस्लो में नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्त्रे से मुलाकात की।

केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने चखा बस्तर की इमली का स्वाद बोले यहां की इमली का स्वाद खट्टा नहीं बल्कि मीठा

रायपुर ,(आरएनएस) ।केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह सोमवार को बस्तर जिले के नेतानार ग्राम में सीआरपीएफ कैम्प पहुँचे। यहाँ उन्होंने शहीद वीर गुंडाधूर सेवा डेरा (जन सुविधा केंद्र) का उद्घाटन किया । अमित शाह ने इमली प्रसंस्करण केंद्र में प्रशिक्षण पा रही स्व सहायता समूह की महिलाओं से जाना कि कैसे वे इमली बिक्री कर अपनी आय में वृद्धि कर रही हैं। श्री शाह ने बस्तर की इमली का स्वाद चखा और कहा कि यहां की इमली में बहुत मिठास है। समूह की श्रीमती लंबी नाग ने बताया कि इस समूह से जुड़कर वे सालाना एक लाख रु तक आय अर्जित कर सकेंगी । गुंडाधूर महिला स्व सहायता समूह में महिलाएं इमली का प्रसंस्करण करके उच्च गुणवत्ता युक्त इमली पल्प तैयार कर रही हैं।

वे सेवा सेतु केंद्र पहुँचे। यहां वे ग्राम नेतानार निवासी श्रीमती सुखदेवी से मिले। सुखदेवी ने बताया कि उन्होंने अभी अपनी पांच माह की बेटी पद्मा का आधार कार्ड बनवाया है। आधार सेवा केंद्र खुलने से पहले उन्हें 10 किलोमीटर पैदल चलकर नानगुर तक

जाना पड़ता था ।अब यहां पर ग्रामीणों को नया आधार, आधार अपडेट, केवायसी, मोबाइल नम्बर अपडेट, ई-आधार जैसी सुविधाएं मिल सकेंगी ।सेवा सेतु केंद्र में श्रीमती सोनामनी ने बताया कि वे बहुत दिन महतारी वंदन योजना का ई के वाय सी कराना चाहती थीं लेकिन दूरी अधिक होने के कारण वे जा नहीं पा रहीं थीं। गांव में ही केंद्र खुल जाने के कारण आज ही उन्होंने ई के वाय सी करा लिया है ।उल्लेखनीय है कि ग्रामीण यहां पर विभिन्न प्रकार के ऑनलाइन प्रमाण पत्र का लाभ ले सकेंगे ।इस केंद्र में जन्म, आय, जाति आदि प्रमाण पत्र आसानी से एक ही जगह बनाये जा सकेंगे ।

मंदिर विवाद में महिला के काटे बाल, अर्धनग्न कर पहनाई चप्पलों की माला; फिर वायरल कर दिया शर्मनाक वीडियो

उल्हासनगर (आरएनएस)। महाराष्ट्र के उल्हासनगर से एक रोंगटे खड़े कर देने वाला और बेहद शर्मनाक मामला सामने आया है। यहां विट्ठल वाड़ी इलाके में कुछ लोगों ने क्रूरता की सारी हदें पार करते हुए एक महिला के साथ अमानवीय व्यवहार किया। आरोप

है कि मामूली विवाद के बाद दबंगों ने महिला के बाल काट दिए और उसे अर्धनग्न करके चप्पलों की माला पहनाकर पूरे इलाके में घुमाया। इस घटना का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है।जानकारी के मुताबिक, यह पूरा बवाल मंदिर में प्रवेश करने को लेकर शुरू हुआ था। बताया जा रहा है कि एक ही समुदाय के दो परिवारों के बीच मंदिर में जाने को लेकर कहासुनी हुई थी। यह विवाद इतना बढ़ गया कि एक पक्ष के लोग पूरी तरह हैवानियत पर उतारू हो गए। गुस्से में अंधी हो चुकी भीड़ ने महिला को निशाना बनाया और उसके साथ सरेआम इस दर्दनाक और अपमानजनक कृत्य को अंजाम दिया।घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत कड़ा एक्शन लिया है। उल्हासनगर के एसीपी शैलेश काले ने बताया कि इस अमानवीय कृत्य में शामिल सात लोगों के खिलाफ कई गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अब तक दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि बाकी फरार आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस की कई टीमें लगातार छापेमारी कर रही हैं।

बच्चा पैदा होने पर इस राज्य की सरकार देंगी 40,000 रुपये, जानिए क्यों दिया जा रहा बढ़ावा

अमरावती,(आरएनएस)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू द्वारा तीसरे और चौथे बच्चे के लिए वित्तीय प्रोत्साहन की घोषणा राज्य में लगातार घटती प्रजनन दर (टीएफआर) को लेकर बढ़ती चिंता के बीच की गई है।

श्रीकाकुलम जिले में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि सरकार तीसरे बच्चे के लिए 30,000 रुपये और चौथे बच्चे के लिए 40,000 रुपये देगी। संयुक्त आंध्र प्रदेश में 1995 से 2004 तक मुख्यमंत्री रहने के दौरान जनसंख्या नियंत्रण के प्रबल समर्थक रहे चंद्रबाबू नायडू अब मानते हैं कि जनसंख्या बोझ नहीं, बल्कि एक संपत्ति है। अधिकारियों के अनुसार, दूसरे बच्चे से आगे दिए जाने वाले प्रोत्साहन फ्रांस और हंगरी जैसे देशों के मॉडल से प्रेरित हैं, जहां भविष्य में जनसांख्यिकीय संकट से बचने के लिए ऐसी नीतियां अपनाई गई हैं।

राज्य के स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक आंध्र प्रदेश भारत की तुलना में तेजी से वृद्धावस्था की ओर बढ़ रहा है। राज्य की औसत आयु 32.5 वर्ष है, जबकि राष्ट्रीय औसत 28.4 वर्ष है। अधिकारियों का कहना है कि आंध्र प्रदेश के पास 2040 तक ही जनसांख्यिकीय लाभ की स्थिति बनी रहेगी, इसके बाद बुजुर्ग आबादी का अनुपात तेजी से बढ़ सकता है। आंध्र प्रदेश की कुल प्रजनन दर (टीएफआर)

1993 में 3.0 थी, जो अब घटकर 1.5 रह गई है। यह 2.1 के रिप्लेसमेंट लेवल से काफी नीचे है। अधिकारियों के अनुसार, यह स्थिति विकसित देशों जैसे जापान, दक्षिण कोरिया और इटली की तरह जनसांख्यिकीय संकट की ओर संकेत करती है।

2024 में मुख्यमंत्री बनने के बाद से चंद्रबाबू नायडू लगातार जनसंख्या वृद्धि की वकालत कर रहे हैं और टीएफआर को 2.1 तक पहुंचाने को आवश्यक बता रहे हैं। इसी दिशा में पहला कदम उठाते हुए उनकी सरकार ने स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने के लिए लागू दो-बच्चों की सीमा को समाप्त कर दिया था। मार्च में उन्होंने देश की पहली 'पॉपुलेशन मैनेजमेंट पॉलिसी' पेश की, जिसे जनसंख्या वृद्धि के लिए गेम-चेंजर बताया गया। इस नीति में तीसरे बच्चे के लिए पांच वर्षों तक प्रति माह 1,000 रुपये पोषण सहायता और 18 वर्ष तक मुफ्त शिक्षा जैसी योजनाएं प्रस्तावित की गई हैं।

मुख्यमंत्री ने विधानसभा में कहा था कि सरकार अधिक बच्चों के जन्म को प्रोत्साहित करने के लिए 12 महीने का मातृत्व अवकाश और दो महीने का पितृत्व अवकाश देने की योजना बना रही है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी थी कि यदि प्रजनन दर में और गिरावट आई तो कार्यशील आबादी कम हो जाएगी, जिससे आर्थिक विकास प्रभावित होगा। राज्य के स्वास्थ्य, चिकित्सा एवं परिवार कल्याण सचिव सौरभ गौर ने कहा था कि अब राज्य उसी समस्या का सामना कर रहा है, जिससे कई विकसित देश जूझ रहे हैं, जहां गैर-कार्यशील आयु वर्ग की आबादी तेजी से बढ़ रही है।

जनसंख्या प्रबंधन नीति के तहत सरकार 'मातृत्व', 'शक्ति', 'क्षेम', 'नैपुण्यम' और 'संजीवनी' जैसे पांच चरणों वाली जीवनचक्र प्रणाली लागू करने की तैयारी कर रही है। सरकार ने गर्भावस्था से लेकर वृद्धावस्था तक हर चरण में सहायता देने का आश्वासन दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नि:संतान दंपतियों और प्रजनन संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोगों के लिए सरकारी अस्पतालों में पीपीपी मॉडल के तहत आईवीएफ सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रायपुर में अत्याधुनिक 'नेक्स्ट जेन सीजी डायल-112 सेवा' और मोबाइल फॉरेंसिक वैन का किया शुभारंभ

400 अत्याधुनिक आपातकालीन वाहन एवं 32 मोबाइल फॉरेंसिक वैन को दिखाई हरी झंडी

रायपुर, (आरएनएस)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज माना पुलिस परेड ग्राउंड, रायपुर में छत्तीसगढ़ पुलिस की अत्याधुनिक 'नेक्स्ट जेन सीजी डायल-112 सेवा' तथा मोबाइल फॉरेंसिक वैन का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह एवं की गरिमामयी उपस्थिति में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने 400 अत्याधुनिक डायल-112 वाहनों तथा 32 मोबाइल फॉरेंसिक वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा, पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम, विधायकगण, जनप्रतिनिधिगण तथा वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि 'एक्के नंबर, सब्बो बर' थीम पर आधारित यह आधुनिक सेवा पुलिस, अग्निशमन और चिकित्सा सेवाओं को एकीकृत करते हुए नागरिकों को एक ही नंबर पर त्वरित आपातकालीन सहायता उपलब्ध कराएगी। इसके तहत शुरू किए गए 400 अत्याधुनिक वाहनों में स्मार्टफोन, जीपीएस, वायरलेस रेडियो, पीटीजेड कैमरा, डैश कैम, मोबाइल एनवीआर और सोलर बैकअप जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। इन तकनीकों की मदद से घटनास्थल की लाइव मॉनिटरिंग, रियल-टाइम ट्रैकिंग और त्वरित संचार सुनिश्चित किया जा सकेगा।

यह सेवा 24×7 संचालित होगी। इसमें जीआईएस आधारित मॉनिटरिंग, एडवांस व्हीकल ट्रैकिंग, एसआईपी ट्रंक टेक्नोलॉजी तथा स्वचालित कॉलर लोकेशन पहचान जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया गया है। राज्य के सभी 33 जिला समन्वय केंद्रों को भी इस नेटवर्क से जोड़ा गया है। नागरिक वॉयस कॉल, एसएमएस, ईमेल, वेब पोर्टल, व्हाट्सएप, चैटबॉट और S O S-112 इंडिया ऐप के माध्यम से भी सहायता प्राप्त कर सकेंगे।

'Science on Wheels – Towards Faster Justice' थीम पर आधारित 32 मोबाइल फॉरेंसिक वैन प्रदेश में अपराध अनुसंधान को नई दिशा देंगी। "32 वैन 32 जिले एक संकल्प: सटीक जांच, त्वरित न्याय" के उद्देश्य के साथ शुरू की गई यह पहल घटनास्थल पर ही प्रारंभिक वैज्ञानिक जांच की सुविधा उपलब्ध कराएगी।

लगभग 65 लाख रुपये प्रति यूनिट लागत वाली इन अत्याधुनिक वैन में घटनास्थल संरक्षण किट, साक्ष्य संग्रहण एवं सीलिंग उपकरण, फिंगरप्रिंट डिटेक्शन सिस्टम, नार्कोटिक्स परीक्षण किट, डिजिटल फॉरेंसिक सपोर्ट, उच्च गुणवत्ता फोटोग्राफी व्यवस्था, बुलेट होल स्क्रीनिंग एवं बैलिस्टिक जांच किट तथा गनशॉट रेजिड्यू (G S R) परीक्षण किट जैसी उन्नत सुविधाएं उपलब्ध हैं।

अब तक अपराध स्थल से साक्ष्य प्रयोगशालाओं तक पहुंचाने में समय लगता था, जिससे साक्ष्यों के दूषित होने की संभावना बनी रहती थी तथा रिपोर्ट आने में भी विलंब होता था। नई मोबाइल फॉरेंसिक वैन के माध्यम से घटनास्थल पर ही प्रारंभिक जांच, साक्ष्य संरक्षण, परीक्षण और डिजिटल दस्तावेजीकरण किया जा सकेगा। इससे जांच की गुणवत्ता और गति दोनों में महत्वपूर्ण सुधार होगा।

पांच साल में 4 नीट पेपर लीक करवाने के बाद भी शिक्षा मंत्री को क्यों बचा रही है मोदी सरकार : परगट सिंह

जालंधर,(आरएनएस)। पूर्व शिक्षा मंत्री और विधायक परगट सिंह ने आरोप लगाया कि 2021 से लेकर अब तक नीट, जेई मेन और यूजीसी-नेट समेत 70-80 प्रतियोगिक परीक्षाओं के पेपर लीक और रद्द होने के लिए सीधे तौर पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धमेंद्र प्रधान जिम्मेदार हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चाहिए कि वह तुरंत शिक्षा मंत्री का इस्तीफा लें। उन्होंने उनके पद से हटाया जाए। परगट सिंह ने कहा कि धमेंद्र प्रधान के शिक्षा मंत्री बनने के बाद पिछले पांच सालों के दौरान इन परीक्षाओं में करीब सवा करोड़ से ज्यादा स्टूडेंट्स का भविष्य दांव पर लग चुका है। बार-बार उनकी वर्षों की मेहनत को बर्बाद किया जा रहा है। इसी साल 2026 नीट की परीक्षा को भी रद्द किए जाने से देश के 22 लाख से अधिक स्टूडेंट्स प्रभावित हुए हैं। परगट सिंह ने कहा कि 2021 से लेकर 2026 तक नीट-यूजी और पीजी के चार पेपर लीक हो चुके हैं। इनमें नीट-यूजी 2021 जयपुर, नीट-यूजी 2024 पटना-हजारीबाग, नीट-पीजी 2024 और नीट-यूजी 2026 सीकर अहम हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्री का इस्तीफा लिए जाने तक कांग्रेस चुप नहीं बैठेगी। इसे देश भर में आंदोलन के रूप में खड़ा किया जाएगा। इस मामले की तुरंत निष्पक्ष जांच करवाई जानी चाहिए। जिसके लिए सुप्रीम कोर्ट के सीटिंग जज की कमेटी बनाई जानी चाहिए। क्योंकि सीबीआई जांच में भी अभी तक केंद्र सरकार के हाथ खाली हैं। इस रैकेट में जुड़े लोग बार-बार पेपर लीक की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं।

नाटो भी देखता रह जाएगा! पुतिन के इस खास दोस्त को मिलने जा रहे हैं महाविनाशक परमाणु हथियार.. जानिए कैसे ?

नई दिल्ली (आरएनएस)। एक तरफ जहां अमेरिका इस बात पर अड़ा है कि ईरान किसी भी कीमत पर परमाणु हथियार हासिल न कर सके, वहीं दूसरी तरफ रूस ने दुनिया को चौंकाने वाला कदम उठा लिया है। रूस ने अपने सहयोगी देश बेलारूस की सरजमीं पर परमाणु हथियारों की तैनाती की खतरनाक तैयारी शुरू कर दी है। इस योजना के तहत सबसे पहले बेलारूस ने अपने सैनिकों के लिए एक विशेष और गुप्त प्रशिक्षण अभियान की शुरुआत की है। जवानों का यह प्रशिक्षण पूरा होते ही रूस से बेलारूस को महाविनाशक परमाणु हथियार मिल सकते हैं, जिन्हें सीधे मॉस्को के इशारे पर इस्तेमाल किया जाएगा।

बेहद गुप्त तरीके से दी जा रही है हथियारों की ट्रेनिंग

समाचार एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, बेलारूस की सरकार ने आधिकारिक तौर पर इस बात की पुष्टि की है कि वह अपने जवानों को परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की बारीकियां सिखा रही है और जल्द ही उन्हें ये खतरनाक हथियार सौंपे जा सकते हैं। बेलारूस के रक्षा मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि यह पूरी प्रक्रिया पूरी तरह से गुप्त रखी जाएगी। ऐसा माना जा रहा है कि बेलारूस के इन जवानों को रूस के दिग्गज वैज्ञानिक खुद ट्रेनिंग देंगे और उनकी कड़ी निगरानी करेंगे, ताकि इस पूरी प्रक्रिया को बिना किसी चूक के आसानी से पूरा किया जा सके।

रूस के पास है दुनिया का सबसे बड़ा परमाणु जखीरा

दुनिया भर में रूस के पास परमाणु हथियारों का सबसे बड़ा भंडार मौजूद है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल (सिपरी) के आंकड़ों के मुताबिक, मॉस्को के पास 5 हजार से भी ज्यादा परमाणु हथियार हैं, जिनमें RS-28 Sarmat, RS-24 Yars और Topol-M (SS-27) जैसी खतरनाक इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइलें (ICBM) शामिल हैं। हाल ही में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक बयान में कहा था कि रूस सम्मत मिसाइल तैनात करने जा रहा है, जिसकी रेंज 35 हजार किलोमीटर है। पूरी दुनिया में इसे सबसे लंबी दूरी तक मार करने वाली अचूक मिसाइल माना जा रहा है।

आखिर बेलारूस को क्यों हथियार सौंप रहा है रूस ?

बेलारूस रूस का एक बेहद अहम रणनीतिक साझेदार है, जिसकी सीमाएं यूक्रेन, रूस और तीन नाटो देशों से घिरी हुई हैं। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन बेलारूस की इस भौगोलिक स्थिति का इस्तेमाल करके पूरे यूरोप पर भारी कूटनीतिक और सैन्य दबाव बनाना चाहते हैं। साल 2023 में पुतिन ने कहा था कि वे शुरुआत में वहां 10 हथियार तैनात करेंगे और इसके इस्तेमाल में बेलारूस की कोई भूमिका नहीं होगी। हालांकि, अब जिस तरह से बेलारूस के जवानों को ट्रेनिंग दिए जाने की खबर सामने आई है, उससे पुतिन के उस दावे पर संदेह पैदा हो गया है।

बेलारूस और यूक्रेन के बीच 1000 किलोमीटर से अधिक लंबी सीमा है। ऐसे में इन हथियारों की तैनाती के जरिए रूस यह साफ और कड़ा संदेश दे रहा है कि आने वाले समय में यूक्रेन युद्ध का दायरा और भी ज्यादा विस्तृत और विनाशकारी हो सकता है।

चीन में 5.2 तीव्रता के भूकंप से गिरीं 13 इमारतें, 2 की मौत

बीजिंग (आरएनएस)। चीन के गुआंग्शी झुआंग स्वायत्त क्षेत्र में सोमवार तड़के आए 5.2 तीव्रता के भूकंप से हड़कंप मच गया। लिउझोउ शहर में आए भूकंप में अब तक 2 लोगों की मौत हुई है, जबकि एक लापता है। ग्वांग्शी भूकंप प्रशासन ने बताया कि भूकंप 8 किलोमीटर की गहराई पर था और इसका केंद्र ताइयांगकुन कस्बे में स्थित था, जो लिउझोऊ शहर से 16 किलोमीटर दूर है। भूकंप की वजह से प्रभावित क्षेत्रों में 13 इमारतें ढहने की सूचना मिली है।

रिपोर्ट के मुताबिक, भूकंप का असर लिउझोउ के साथ गुइगांग, वूझोउ, हेची, नानिंग और आसपास के अन्य शहरों में महसूस किए गए हैं। कम से कम 7,000 से अधिक स्थानीय निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। संचार, बिजली, पानी, गैस आपूर्ति और सड़क परिवहन सहित बुनियादी सार्वजनिक सेवाएं पूरी तरह से चालू हैं। बचाव और राहत कार्य शुरू कर दिया गया है।

अमेरिका के इडाहो एयर शो में 2 लड़ाकू विमानों की हवा में टक्कर, पायलट बचकर निकले

वाशिंगटन(आरएनएस)। अमेरिका के इडाहो में स्थित माउंटेन होम एयर फोर्स बेस में रविवार को एक हवाई प्रदर्शन के दौरान अमेरिकी नौसेना के 2 विमान आपस में हवा में टकरा गए। हादसा गनफाइटर स्काईज एयर शो के दौरान घटी। घटना के समय ईए-18जी ग्रोवलर विमान हवा में प्रदर्शन कर रहे थे। विमानों की टक्कर होने पर चालक दल के चारों सदस्य सुरक्षित रूप से बाहर निकल गए और उनकी हालत स्थिर है। किसी के घायल होने की कोई खबर नहीं है।

यह टक्कर सैन्य अड्डे से करीब 2 मील दूर हवा में हुई है। नौसेना दुर्घटना की जांच कर रही है। सोशल मीडिया पर घटना का वीडियो भी सामने आया है, जो दर्शकों द्वारा साझा किया गया है। इसमें टक्कर का क्षण और उसके बाद चालक दल के सदस्यों को पैराशूट से बाहर निकलते देखा जा सकता है। वीडियो में दिख रहा है कि दोनों लड़ाकू विमान आपस में चिपक गए और फिर आग के गोले में बदल गए।अधिकारियों ने बताया कि हादसे के बाद सभी कार्यक्रम रद्द कर दिए गए हैं और बेस को भी सील किया गया है। गनफाइटर स्काईज़ एयर शो 8 साल बाद इस सप्ताहांत में आयोजित हुआ था, जिसमें हजारों लोगों ने सैन्य विमानों के प्रदर्शन और हवाई करतब देखने के लिए इस कार्यक्रम में शिरकत की थी। एयर शो के आयोजक लगभग 2 साल से प्रदर्शन की तैयारी में जुटे थे। इस दौरान सुरक्षा दल और रखरखाव कर्मी तैनात थे।वर्ष 2018 में, बेस पर कार्यक्रम के दौरान रनवे पर दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद एक हैंग ग्लाइडर पायलट की मौत हो गई थी। इससे पहले, 2003 में माउंटेन होम में एयर शो के दौरान थंडरबर्ड्स का जेट विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। हालांकि, पायलट बच गया।

अब समुद्र में बिछी इंटरनेट केबल्स पर ईरान की नजर, गूगल-अमेजन से मांग सकता है शुल्क

तेहरान,(आरएनएस)। अमेरिका-ईरान तनाव और होर्मुज स्ट्रेट पर जारी संकट के बीच अब ईरान ने समुद्र के नीचे बिछी इंटरनेट केबल्स पर ध्यान देना शुरू कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान बड़ी टेक कंपनियों से इन केबल्स के इस्तेमाल के बदले फीस लेने की तैयारी कर रहा है। ईरानी सेना के प्रवक्ता ने भी सोशल मीडिया पर इसका संकेत दिया है। इससे दुनिया की इंटरनेट और डिजिटल सेवाओं को लेकर नई चिंता बढ़ गई है।

रिपोर्ट के अनुसार, ईरान चाहता है कि गूगल, अमेजन और मेटा जैसी कंपनियां सबमरीन केबल इस्तेमाल करने के बदले भुगतान करें। साथ ही, केबल बिछाने वाली कंपनियों को लाइसेंस फीस भी देनी पड़ सकती है। ईरान यह भी चाहता है कि रिपेयर और मेंटेनेंस का काम सिर्फ उसकी स्थानीय कंपनियों को मिले। हालांकि, अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण यह साफ नहीं है कि विदेशी कंपनियां ईरान को भुगतान कैसे करेंगी और नियमों का पालन कैसे होगा।समुद्र के नीचे बिछी सबमरीन केबल दुनिया के इंटरनेट सिस्टम की सबसे अहम कड़ी मानी जाती हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया का लगभग 99 प्रतिशत इंटरनेट ट्रैफिक इन्हीं केबल्स से चलता है। ये केबल भारत, खाड़ी देशों, यूरोप और एशिया को जोड़ती हैं। इनके जरिए इंटरनेट, क्लाउड सर्विस, ऑनलाइन कॉल और डिजिटल पेमेंट जैसी सेवाएं चलती हैं। होर्मुज स्ट्रेट से कई बड़ी अंतरराष्ट्रीय केबल भी होकर गुजरती हैं।

अगर इन सबमरीन केबल्स को नुकसान पहुंचता है, तो कई देशों में इंटरनेट सेवा प्रभावित हो सकती है।

मेक्सिको में हुई गोलीबारी, 3 महिलाओं समेत 10 लोगों की मौत

मेक्सिको सिटी, (आरएनएस)।फीफा विश्व कप की तैयारी कर रहे मेक्सिको में सोमवार को बड़ी वारदात सामने आई है। यहां प्यूब्ला राज्य के तेहुइटजिंगो शहर में तड़के 10 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतकों में 6 पुरुष, 3 महिलाएं और एक नाबालिग शामिल है।

रिपोर्ट के मुताबिक, पीड़ितों पर कथित तौर पर हथियारबंद लोगों ने हमला किया था। सुबह तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। सभी मृतक एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पड़ोसियों ने गोलीबारी की जानकारी दी थी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची थी। तब मौके पर कई लोग घायल मिले, जिनकी अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। राज्य के अटॉर्नी जनरल के कार्यालय ने बताया कि नेशनल गार्ड, अटॉर्नी जनरल का कार्यालय, राज्य पुलिस, स्थानीय पुलिस और खुफिया विभाग ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है।

यह वारदात ऐसे समय पर हुई है, जब 11 जून से राजधानी मेक्सिको सिटी में विश्व कप शुरू होने वाला है। यह घटना मेक्सिको सिटी से लगभग 208 किलोमीटर में हुई है। तेहुइटजिंगो में लगभग 11,300 लोग रहते हैं। मैक्सिकन राष्ट्रपति क्लाउडिया शाइनबाम ने विश्व कप से पहले सुरक्षा को मजबूत करने का वादा किया है। राज्य में नेशनल गार्ड सैनिकों, पुलिस अधिकारियों और निजी सुरक्षा फर्मों के 1 लाख सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई है।

फीचर

साड़ी के बाद दिखा अदिति राव का ग्लैमरस अवतार, नियॉन ड्रेस में लगीं बला की खूबसूरत

अदिति राव हैदरी ने कान्स फिल्म फेस्टिवल में अपनी शानदार मौजूदगी दर्ज कराई. पहले दिन वो ट्रेडिशनल साड़ी लुक में नजर आईं, जिसमें उनका ग्रेस और एलिगेंस लोगों को खूब पसंद आया. वहीं दूसरे दिन उन्होंने स्टाइलिश ड्रेस पहनकर रेड कार्पेट पर एंट्री ली और अपने ग्लैमरस अंदाज से सबका ध्यान खींच लिया.

कान्स फिल्म फेस्टिवल के दूसरे दिन अदिति राव ने ग्लैमरस लुक में एंट्री ली. एक्ट्रेस ने अपने लुक से सबका ध्यान खींच लिया. अदिति ग्रीन कलर के हाई स्लिट गाउन में दिखीं. एक्ट्रेस के इस लुक की सोशल मीडिया पर काफी चर्चा हो रही है. अदिति ने लुक को और भी ग्रेसफुल और मॉडर्न बनाने के लिए गले में एक सिंपल चोकर पहना. एक्ट्रेस ने अपने लुक को मिनिमल मेकअप के साथ कंप्लीट किया. अदिति ने हेयरस्टाइल बनाने के बजाय बालों के खुला रखा. अदिति के इस लुक पर और इन अदाओं पर फैंस फिदा हो गए हैं. उन्होंने रेड कार्पेट पर जमकर पोज दिए. अदिति के इस लुक को देख फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं. एक फैन ने लिखा, कान्स में आपका लुक कई लोगों से ज्यादा चमक रहा है. आपकी ड्रेस मुझे सच में बहुत पसंद आई. बता दें, पहने दिन एक्ट्रेस कान्स में साड़ी पहन कर पहुंची थीं. इस दौरान उन्होंने अपने लुक से सारी लाइमलाइट लूट ली थी.

बेहद ग्लैमरस हैं मैं वापस आऊंगा एक्ट्रेस, शरवरी वाघ के इन लुक्स से नहीं हटा पाएंगे अपनी नजर

शरवरी वाघ इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' को लेकर चर्चा में हैं। एक्ट्रेस एक्टिंग के साथ-साथ अपने ग्लैमरस लुक्स के लिए भी जानी जाती हैं. ऐसे में आइए देखते हैं उनके कुछ ग्लैमरस लुक्स, जो आपको दीवाना बना देंगें.

शरवरी वाघ इम्तियाज अली की अपकमिंग फिल्म मैं वापस आऊंगा में नजर आने वाली हैं. फिल्म में वो दिलजीत दोसांझ के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी. दोनों को बड़े पर्दे पर साथ देखने के लिए फैंस बेताब हैं. फिल्म में शरवरी एक्टर संग रोमांस करती दिखेंगी. फिल्म में अपने दिलकश अंदाज से एक्ट्रेस दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार हैं. बता दें, शरवरी रियल लाइफ में भी अनपे ग्लैमरस अवतार से लोगों को घायल कर देती है. उनकी फोटोज सोशल मीडिया पर अक्सर वायरल होती रहती हैं. उनके स्टाइलिश और ग्लैमरस लुक्स इतने अट्रैक्टिव होते हैं कि उन पर से अपनी नजरें हटाना बेहद मुश्किल हो जाता है. शरवरी अक्सर अपने सिजलिंग लुक्स से सोशल मीडिया पर आग लगा देती हैं. इस फोटो में एक्ट्रेस अपनी अदाओं ये सभी को दीवाना बना रही हैं. इस फोटो में एक्ट्रेस शिमरी बॉडीकॉन ड्रेस में कहर ढा रही हैं. कॉन्फिडेंट अंदाज में पोज देती एक्ट्रेस बला की खूबसूरत दिख रही हैं. शरवरी का ये अंदाज भी देखने लायक है. मिनी ड्रेस पहने एक्ट्रेस काफी स्टाइलिश दिख रही हैं.

कहीं आपकी रोजाना की ये 5 आदतें आपको तनावग्रस्त तो नहीं बना रहीं ?

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में तनाव एक आम समस्या बन गई है। हम अक्सर सोचते हैं कि हमारी दिनचर्या सामान्य है, लेकिन कई बार छोटी-छोटी आदतें भी हमारे मानसिक स्वास्थ्य पर बड़ा असर डाल सकती हैं। इस लेख में हम कुछ ऐसी ही आदतों पर चर्चा करेंगे, जो बिना जाने हमारी मानसिक शांति को प्रभावित कर सकती हैं। इन आदतों को पहचानकर और सुधारकर हम अपने जीवन को अधिक सुखद बना सकते हैं।

मोबाइल का अधिक उपयोग

मोबाइल का अधिक उपयोग हमारे मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर डाल सकता है। जब हम लगातार अपने फोन पर नजरें गड़ाए रखते हैं तो इससे हमारी आंखों पर दबाव पड़ता है और नींद भी प्रभावित होती है। इसके अलावा सोशल मीडिया पर लगातार अपडेट देखने से भी तनाव बढ़ सकता है। इससे बचने के लिए कोशिश करें कि सोने से एक घंटा पहले और उठते ही एक घंटा मोबाइल का उपयोग न करें।

समय की कमी

समय की कमी भी हमारे मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है। अगर हम अपने कामों को समय पर पूरा नहीं कर पाते तो इससे तनाव बढ़ता है। इसके अलावा समय पर आराम न करने से भी मानसिक थकान होती है। इससे बचने के लिए अपने दिनचर्या में समय प्रबंधन शामिल करें। कामों को प्राथमिकता दें और ब्रेक लें, ताकि आप तरोताजा महसूस करें और बेहतर तरीके से काम कर सकें।

चाय या कॉफी का ज्यादा सेवन

चाय या कॉफी का ज्यादा सेवन करने से हमारी नींद प्रभावित होती है और लोग रात को ठीक से सो नहीं पाते। कैफीन युक्त चीजों का ज्यादा सेवन करने से हमारा शरीर तनावग्रस्त रहता है। इससे बचने के लिए कोशिश करें कि दिनभर में एक-2 कप ही चाय या कॉफी का सेवन करें। अगर आप कैफीन युक्त चीजों का सेवन कम करेंगे तो इससे आपकी नींद बेहतर होगी और आप अधिक तरोताजा महसूस करेंगे।

सोशल मीडिया पर ज्यादा समय बिताना

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक और इंस्टाग्राम आदि पर ज्यादा समय बिताने से हम दूसरों की जिंदगी से अपनी तुलना करने लगते हैं, जिससे आत्मविश्वास कम होता जाता है। इससे बचने के लिए अपने सोशल मीडिया के उपयोग समय को सीमित करें और असली दुनिया के साथ अधिक समय बिताने की कोशिश करें। इसके अलावा अपनी सोशल मीडिया फीड को सकारात्मक और प्रेरणादायक चीजों से भरें, ताकि आपका मनोबल बढ़े और आप मानसिक रूप से स्वस्थ रहें।

एक साथ कई काम करना

एक साथ कई काम करना भले ही आपको प्रभावी लगे, लेकिन यह आपके दिमाग पर अतिरिक्त दबाव डालता है, जिससे आप जल्दी थक जाते हैं। इससे बचने के लिए एक समय पर एक ही काम करें और उसे पूरा करने के बाद ही अगले काम पर जाएं। इससे आपका ध्यान केंद्रित रहेगा और आप बेहतर तरीके से काम कर पाएंगे। इस तरह आप अधिक उत्पादक बन सकते हैं और तनावमुक्त रह सकते हैं।

गर्मियों के दौरान क्यों अस्थिर हो जाता है शक्कर का स्तर ? जानिए इसके 5 कारण

गर्मी का मौसम मधुमेह रोगियों के लिए चुनौतियों से भरा होता है। इस दौरान न केवल शक्कर के स्तर में उतार-चढ़ाव देखने को मिलता है, बल्कि शरीर में इंसुलिन का असर भी कम हो सकता है। इंसुलिन का असर कम होने से शरीर की कोशिकाएं शक्कर को सही तरीके से अवशोषित नहीं कर पाती हैं। आइए गर्मी के मौसम में शक्कर के स्तर में उतार-चढ़ाव आने के संभावित कारणों पर नजर डालते हैं।

भोजन का पाचन

गर्मियों के दौरान पाचन तंत्र की गति धीमी हो सकती है, जिससे भोजन का सही तरीके से पाचन नहीं हो पाता है। इससे शरीर में गैस, सूजन और अन्य पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। इसके कारण इंसुलिन का असर कम हो सकता है, क्योंकि शरीर की कोशिकाएं शक्कर को सही तरीके से अवशोषित नहीं कर पाती हैं। इससे शक्कर का स्तर अस्थिर हो सकता है और मधुमेह के लक्षण और भी गंभीर हो सकते हैं।

पानी की कमी

गर्मी के मौसम में पसीना अधिक आता है, जिससे शरीर में पानी की कमी हो जाती है। इससे इंसुलिन का असर कम हो जाता है और शक्कर का स्तर अस्थिर हो सकता है। इसके कारण मधुमेह रोगियों को थकान, कमजोरी और

चिड़चिड़ापन जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए, इस मौसम में अधिक से अधिक पानी पीएं और तरल पदार्थों का सेवन करें। साथ ही नमक युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करें।

खाने की आदतें

गर्मी के मौसम में खाने की आदतें भी प्रभावित हो सकती हैं। कई लोग ठंडे पेय और तले हुए खाद्य पदार्थों का सेवन कर लेते हैं, जो सेहत के लिए सही नहीं होते हैं। इससे शरीर में सूजन बढ़ सकती है और इंसुलिन का असर कम हो सकता है। इसलिए, इस मौसम में पोषक तत्वों से भरपूर संतुलित आहार लें और जंक फूड से दूर रहें। इसके अलावा समय-समय पर अपने शक्कर के स्तर की जांच करवाते रहें।

व्यायाम की कमी

गर्मी से बचने के लिए कई लोग घर से बाहर नहीं निकलते और व्यायाम नहीं करते हैं, जिससे वजन बढ़ने लगता है। बढ़ता वजन इंसुलिन का असर कम कर सकता है। इसलिए, मधुमेह रोगियों को रोजाना कुछ मिनट व्यायाम जरूर करना चाहिए। इससे उनका वजन नियंत्रित रहेगा और मधुमेह के लक्षण भी कम हो जाएंगे। इसके अलावा व्यायाम से शरीर में शक्कर का सही तरीके से अवशोषण हो सकता है।

तनाव और अनिद्रा

तनाव और अनिद्रा भी शक्कर के स्तर को प्रभावित कर सकते हैं। तनाव से शरीर में एक हार्मोन का स्तर बढ़ता है, जिससे इंसुलिन का असर कम हो सकता है। वहीं अनिद्रा से शरीर ठीक से काम नहीं कर पाता और शक्कर का स्तर अस्थिर हो सकता है। इसलिए, मधुमेह रोगियों को पर्याप्त नींद लेनी चाहिए और तनाव को कम करने के उपाय अपनाने चाहिए। इनकी मदद से आप शक्कर के स्तर को स्थिर रख सकते हैं।

रायपुर से कोंटा जा रही यात्री बस पलटी, महिला की मौत, 22 से अधिक घायल

जगदलपुर (ए.)। बस्तर जिले के बालेंगा के पास नेशनल हाईवे-30 पर आज सोमवार सुबह साढ़े तीन बजे रायपुर से कोंटा जा रही रॉयल ट्रैवल्स की यात्री बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में एक महिला यात्री की मौके पर मौत हो गई है, जबकि 22 से अधिक यात्री घायल हो गए हैं। घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि बस ड्राइवर को झपकी आने के कारण वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार यह हादसा गत रात्रि लगभग साढ़े तीन बजे हुआ, बस में करीब 34 यात्री सवार थे। अचानक बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में बस के भीतर दबने से महिला यात्री पदमनी चंद्रवंशी की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मृतिका कोंटा क्षेत्र की शिक्षिका थीं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। राहत एवं बचाव कार्य के दौरान एसडीआरएफ के जवानों ने कड़ी मशक्कत के बाद महिला यात्री के शव को बाहर निकाला और पुलिस को सुपुर्द किया। घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है।

समस्याओं का निराकरण नहीं होने पर सांसद अग्रवाल ने नायब तहसीलदार एसडीएम और एडीएमको लगाई फटकार

रायपुर,(आरएनएस)। रायपुर लोकसभा के सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने अपने आरंग दौरे के दौरान समस्याओं से पीड़ित नागरिकों की सुनवाई करते हुए समस्याओं का निराकरण नहीं होने पर शिविर स्थल में ही नायब तहसीलदार एसडीएम और एडीएम को कड़ी फटकार लगाई। उन्होने पुराने दो आवेदनों पर निराकरण नहीं होने पर नायब तहसीलदार से कहा कि आपके खिलाफ मुझे सबसे ज्यादा शिकायतें मिली हैं। एसडीएम से कहा कि राजस्व प्रकरणों के निकाकरण में त्वरित निदान नहीं हो रहा है। नायब तहसीलदार को उन्होंने पुराने दो आवेदनों परतीन दिन के अंदार रिपोर्ट उन्हें सौंपने काआदेश दिया है। अधिकारियों कोफटकार लगाते हुए सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि भविष्य के लिए सुधर जाइये,मुझे शिकायतें नहीं मिलनी चाहिए। प्रकरणों का निराकरण नहीं होने पर उन्होंने कड़े तेवर दिखाते हुए उक्त दो अधिकारियों को कहा कि उन्हें शिकायत मिली तो अधिकारियों के खिलाफ वे सख्त कार्रवाई करेंगे।

एसईसीएल के सीएमडी हरीश दुहन ने मानिकपुर कोयला खदान का जायजा लिया

कोरबा,(आरएनएस)। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड ;एसईसीएलद्ध के सीएमडी हरीश दुहन ने रविवार तड़के कोरबा क्षेत्र का दौरा कर मानिकपुर ओपनकास्ट परियोजना सहित विभिन्न परिचालन गतिविधियों का निरीक्षण किया। सुबह लगभग 6 बजे शुरू हुए निरीक्षण के दौरान उन्होंने उत्पादनए उत्पादकताए गुणवत्ता प्रबंधन एवं मानसून पूर्व तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। मानिकपुर परियोजना में निरीक्षण के दौरान सीएमडी ने खदान में संचालित उत्पादन कार्योंए मशीनों की कार्यक्षमता तथा गुणवत्ता मानकों का स्थल पर जाकर मूल्यांकन किया। उन्होंने मानसून को ध्यान में रखते हुए जल निकासी व्यवस्थाए हॉल रोड की स्थितिए मशीनों की उपलब्धताए सुरक्षा प्रबंधन एवं अन्य परिचालन तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से सुनिश्चित करने के निर्देश दिएए ताकि वर्षा ऋतु के दौरान उत्पादन कार्य प्रभावित न हों।इस दौरान सीएमडी ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से संवाद करते हुए बेहतर समन्वयए सतर्कता और कार्यकुशलता के साथ कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण उत्पादन एसईसीएल की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है तथा परिचालन दक्षता बनाए रखते हुए निर्धारित उत्पादन लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करना आवश्यक है।

चक्रवाती सिस्टम एक्टिव, छत्तीसगढ़ में अगले 2 दिन बारिश और बिजली गिरने की चेतावनी

रायपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में मौसम ने अचानक करवट ले ली है। बंगाल की खाड़ी और विदर्भ क्षेत्र में सक्रिय चक्रवाती सिस्टम के असर से प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश, तेज आंधी और गरज-चमक का दौर जारी है। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों तक प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश और बिजली गिरने की संभावना जताई है। पिछले 24 घंटों के दौरान रायपुर और बस्तर संभाग समेत कई इलाकों में अच्छी बारिश दर्ज की गई, जिससे लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में भी मौसम का मिजाज ऐसा ही बना रह सकता है।

कई जिलों में हुई अच्छी बारिश

प्रदेश के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम वर्षा रिकॉर्ड की गई। रायपुर में शनिवार को 62.8 मिमी बारिश दर्ज हुई, जबकि बस्तर संभाग के कई इलाकों में भी झमाझम बारिश हुई। बारिश के चलते तापमान में गिरावट देखने को मिली और मौसम सुहावना बना रहा। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक बिलासपुर प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा, जहां अधिकतम तापमान 39.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं रायपुर में न्यूनतम तापमान 21.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

इन सिस्टमों का दिख रहा असर

मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और तमिलनाडु के ऊपर चक्रवाती परिसंचरण सक्रिय है। इसके साथ ही पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है। इसके अलावा पश्चिम विदर्भ से मन्नार की खाड़ी तक एक द्रोणिका बनी हुई है, जिसके कारण लगातार नमी प्रदेश तक पहुंच रही है। यही वजह है कि छत्तीसगढ़ के कई जिलों में बादल, बारिश और तेज हवाओं का असर देखने को मिल रहा है।

कमानी पट्टा टूटने से बस अनियंत्रित होकर पलटा, एक की मौत, कई घायल

जगदलपुर,(आरएनएस)। जगदलपुर में एक बड़ा हादसा हो गया है। यहां यात्रियों से भरी पलट गई है। हादसा इतना दर्दनाक था कि मौके पर ही एक यात्री की मौत हो गई, जबकि 30 यात्री घायल हो गए हैं, जिसमें 7 लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद अफरातफरी का माहौल हो गया है।

मिली जानकारी के अनुसार, घटना बालिंगा के नेशनल हाइवे 30 पर हुई है। बताया जा रहा है कि बस यात्रियों को लेकर रायपुर से कोंटा जा रही थी। इसी दौरान बस का पट्टा टूटने से बस अनियंत्रित होकर पलट गई। जिससे ये हादसा हुआ है। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया, जहां सभी का इलाज जारी है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

मॉर्निंग वाक पर निकले पूर्व विधानसभा अध्यक्ष हुए लूट के शिकार

रायपुर,(आरएनएस)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के छत्तीसगढ़ दौरे के दौरान राजधानी रायपुर में एक बड़ी घटना सामने आई है। छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा नेता धरमलाल कौशिक लूट की घटना का शिकार हो गए।

बताया जा रहा है कि सोमवार सुबह मॉर्निंग वॉक के दौरान एक बाइक सवार बदमाश उनका मोबाइल फोन छीनकर फरार हो गया। जानकारी के मुताबिक धरमलाल कौशिक सुबह करीब सवा 8 बजे घर से टहलने निकले थे, इसी दौरान बाइक पर आए एक युवक ने उनका मोबाइल झपट लिया और मौके से भाग निकला। घटना के समय कौशिक अकेले थे घटना के तुरंत बाद उन्होंने पुलिस को इसकी सूचना दी, जिसके बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और आरोपी की तलाश में जुट गई है।

फॉर्म हाउस से 8 रसूखदार जुआरी गिरफ्तार, लाखों की नगदी और लग्जरी कारें जब्त

बिलासपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में कोनी पुलिस ने फॉर्म हाउस में चल रहे हाई-प्रोफाइल जुआ अड्डे पर दबिश देकर 8 रसूखदार जुआरियों को गिरफ्तार किया। मौके से लाखों की नगदी, महंगी कारें और कई मोबाइल फोन बरामद किए गए। एसएसपीके निर्देश पर सभी आरोपियों के खिलाफ गैर-जमानती धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

कोनी थाना क्षेत्र के एक शानदार फॉर्म हाउस में लंबे समय से जुआ खेलने की सूचना पुलिस को मिल रही थी। पुख्ता जानकारी के बाद टीम ने देर रात छापा मारा।

छात्रा ने शिक्षक पर लगाया छेड़खानी व अश्लील मैसेज का आरोप

राजनांदगांव। सुरगी के हायर सेकंडरी स्कूल में पढ़ने वाली छात्रा ने स्कूल के एक शिक्षक पर छेड़खानी व मोबाइल से अश्लील बातें करने का आरोप लगाया हैं। छात्रा की शिकायत के बाद पुलिस ने शिक्षक पर अपराध दर्ज कर लिया है। सुरगी पुलिस ने बताया कि कक्षा 12वीं में अध्ययनरत छात्रा ने शिक्षक शेष नारायण शर्मा पर अश्लील बातें करने व अनुचित व्यवहार करने का आरोप लगाया है। शिकायत में यह भी कहा गया है कि आरोपी शिक्षक छुट्टी के दिनों में भी छात्रा के मोबाइल पर फोन कर अश्लील बातें करता था। जिससे वह परेशान हो गई है।

20 मई को बंद रहेगी सभी मेडिकल दुकानें, छत्तीसगढ़ सरकार ने जारी किए जरूरी निर्देश

रायपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ समेत पुरे देशभर के विभिन्न केमिस्ट और दवा विक्रेता संगठनों द्वारा 20 मई 2026 को राष्ट्रव्यापी हड़ताल का आह्वान किया गया है। इस हड़ताल का मुख्य कारण ऑनलाइन दवाइयों की बिक्री का विरोध बताया जा रहा है। दवा व्यापारियों का कहना है कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के बढ़ते प्रभाव से पारंपरिक मेडिकल स्टोर्स के कारोबार पर गंभीर असर पड़ रहा है, साथ ही बिना उचित निगरानी के दवाइयों की बिक्री से मरीजों की सुरक्षा भी प्रभावित हो सकती है।

छत्तीसगढ़ सहित देश के कई राज्यों में इस हड़ताल का व्यापक असर देखने को मिल सकता है। मेडिकल स्टोर्स बंद रहने की संभावना को देखते हुए राज्य सरकार और खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने आम जनता को राहत देने के लिए विशेष व्यवस्थाएं शुरू कर दी हैं।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन अलर्ट मोड पर

खाद्य एवं औषधि प्रशासन, छत्तीसगढ़ ने संभावित दवा संकट को रोकने के लिए सभी जिलों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आम नागरिकों, मरीजों और आपातकालीन सेवाओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए वैकल्पिक दवा वितरण व्यवस्था तैयार की गई है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि जीवनरक्षक दवाइयों, आपातकालीन स्वास्थ्य उत्पादों और आवश्यक चिकित्सकीय सामग्री की उपलब्धता हर हाल में सुनिश्चित की जाए। अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में दवाओं का पर्याप्त स्टॉक बनाए रखने के भी आदेश दिए गए हैं।

इन स्थानों पर मिलेंगी जरूरी दवाइयां

20 मई को प्रस्तावित देशव्यापी हड़ताल के दौरान मेडिकल स्टोर्स बंद रहने की स्थिति में आम नागरिकों और मरीजों को राहत देने के लिए प्रशासन द्वारा वैकल्पिक दवा व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता बनाए रखने हेतु प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि केंद्रों को सक्रिय रखा जाएगा, जहां कम कीमतों पर सामान्य और जरूरी जेनेरिक दवाइयां उपलब्ध होंगी। इसके अलावा राज्य सरकार द्वारा संचालित धन्वंतरी मेडिकल स्टोर्स भी दवा वितरण के लिए खुले रहेंगे, ताकि मरीजों को समय पर आवश्यक औषधियां मिल सकें। शासकीय अस्पतालों में जीवनरक्षक दवाओं और इमरजेंसी सेवाओं की व्यवस्था जारी रहेगी। साथ ही निजी अस्पतालों, नर्सिंग होम्स और अन्य अधिकृत औषधि वितरण केंद्रों को भी आवश्यक दवाओं एवं चिकित्सकीय सामग्री की उपलब्धता बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

क्या है ऑनलाइन दवा बिक्री को लेकर विवाद?

ऑनलाइन दवा बिक्री को लेकर लंबे समय से केमिस्ट संगठनों और ई-फार्मेसी कंपनियों के बीच विवाद चल रहा है। दवा विक्रेताओं का आरोप है कि कई ऑनलाइन प्लेटफॉर्म बिना डॉक्टर के वैध प्रिस्क्रिप्शन के दवाइयां बेच रहे हैं, जिससे मरीजों के स्वास्थ्य पर खतरा बढ़ सकता है। वहीं ई-फार्मेसी कंपनियों का कहना है कि डिजिटल माध्यम से दवाइयों की उपलब्धता बढ़ी है और लोगों को घर बैठे सुविधा मिल रही है। हालांकि, पारंपरिक दवा विक्रेता इसे अपने रोजगार और व्यवसाय के लिए खतरा मान रहे हैं।

सरकार ने दिए सख्त निर्देश

राज्य सरकार ने सभी संबंधित विभागों को समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए हैं। जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और खाद्य एवं औषधि प्रशासन को संयुक्त रूप से स्थिति संभालने की जिम्मेदारी दी गई है। सरकार का कहना है कि आम जनता को किसी प्रकार की परेशानी

खेल समाचार

सात्विक-चिराग ने थाईलैंड ओपन में जीता सिल्वर मेडल

बैंकॉक (आरएनएस)। भारत की स्टार बैडमिंटन जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को थाईलैंड ओपन 2026 के फाइनल में हारकर पुरुष युगल में सिल्वर मेडल पर ही संतोष करना पड़ा.

विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज सात्विक और चिराग को इंडोनेशिया के लियो रॉली कार्नांडो और डेनियल मार्टिन से 53 मिनट तक चले मैच में 12-21 23-25 से हार गए. यह भारतीय जोड़ी के खिलाफ इंडोनेशियाई जोड़ी की पहली जीत भी है. इससे पहले इन दोनों जोड़ियों के बीच खेले गए सभी चार मैच भारतीय जोड़ी ने जीते थे।

सात्विक और चिराग ने इससे पहले 2019 और 2024 में थाईलैंड ओपन का खिताब जीता था. यह भी उल्लेखनीय है कि ये भारतीय जोड़ी पिछले साल चाइना मास्टर्स और हांगकांग ओपन में भी उपविजेता रही थी।

फाइनल मैच का पहला गेम काफी मुश्किल रहा, जिसमें सात्विक और चिराग को लय पकड़ने में काफी संघर्ष करना पड़ा, और इंडोनेशियाई जोड़ी ने तेजी से आगे बढ़ते हुए 21-12 से जीत हासिल कर ली. हालांकि दूसरे गेम में भारतीय जोड़ी ने जोरदार वापसी की और कड़ा मुकाबला करते हुए मैच को आखिरी पॉइंट तक लेकर गए. जहां, लगातार पांच चैंपियनशिप पॉइंट बचाने के बाद भी, उन्हें आखिरकार 25-23 से हार माननी पड़ी।

इससे पहले, शनिवार को एक रोमांचक सेमीफाइनल में मलेशिया की जोड़ी, गोह जे फेई और नूर इज्जुद्दीन को हराकर ये भारतीय जोड़ी 2026 सीजन के अपने पहले फाइनल में पहुंचे थे।

बता दें की टूर्नामेंट में पी.वी. सिंधु और लक्ष्य सेन पहले ही बाहर हो चुके थे, इसलिए बैंकॉक में भारत की उम्मीदों का दारोमदार सात्विक और चिराग पर था।

आरसीबी ने पंजाब को हराकर प्लेऑफ का कंफर्म टिकट किया हासिल

नईदिल्ली,(,आरएनएस)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के प्लेऑफ के लिए क्वालिफ़ाई करने वाली पहली टीम बन गई है. हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम, धर्मशाला में खेले गए मैच आरसीबी ने पंजाब को 23 रनों से मात दे दी.इस जीत के साथ, आरसीबी के 13 मैचों में 18 अंक हो गए हैं. जबकि पंजाब की ये लगातार छठी हार है, जिसकी वजह से उनके प्लेऑफ में पहुंचने की राह काफी ज्यादा कठिन हो गई है. उसके 13 मैच में केवल 13 अंक ही हैं.मैच में आरसीबी के लिए बल्ले से वेंकटेश अय्यर चमके, जबकि गेंदबाजों में रासिक सलाम डार और भुवनेश्वर कुमार सबसे बेहतरीन रहे. वेंकटेश अय्यर ने 72 रनों की पारी खेली जबकि डार ने 3 और भुवनेश्वर ने 2 विकेट लिए.पीबीकेएस ने टॉस जीता और आरसीबी को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया. उनकी साझेदारियां नियमित अंतराल पर बनती रहीं, जिसमें सभी बल्लेबाजों ने बराबर योगदान दिया. वेंकटेश अय्यर ने 40 गेंदों में नाबाद 72 रनों की पारी खेली, जिसमें आठ चौके और चार छक्के शामिल थे. विराट कोहली ने 37 गेंदों में 58 रन बनाए. इसके अलावा, देवदत्त पडिक्कल (45) और टिम डेविड (28) के योगदान से टीम 222/4 का स्कोर खड़ा करने में सफल रही. PBKS के लिए हरप्रीत बरार ने दो विकेट लिए।

223 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए, पीबीकेएस का स्कोर 93/5 हो गया था, लेकिन शशांक सिंह की 27 गेंदों में 56 रनों की संघर्षपूर्ण पारी ने उन्हें मैच में बनाए रखा. मार्कस स्टोइनिस और कूपर कोनोली ने 37-37 रन बनाए, लेकिन इन तीनों बल्लेबाजों के योगदान से PBKS 199/8 तक ही पहुंच पाई. आरसीबी के लिए गेंदबाजों में रासिक सलाम डार सबसे बेहतरीन रहे, जिन्होंने तीन विकेट लिए, जबकि भुवनेश्वर कुमार ने अपने स्पेल के दौरान दो विकेट चटकाए।

IPL 2026 के तुरंत बाद इस धाकड़ टीम से भिड़ेगी टीम इंडिया, BCCI ने अचानक फाइनल कर दी नई सीरीज

नई दिल्ली (आरएनएस)। आईपीएल 2026 के रोमांच के बाद भारतीय क्रिकेट फैंस के लिए एक और बड़ी खुशखबरी है। बीसीसीआई ने टीम इंडिया के आगामी मुकाबलों का खाका तैयार कर लिया है। अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज के बाद अब भारतीय टीम एक नई चुनौती के लिए कमर कस चुकी है। खबर है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने भारत और श्रीलंका के बीच होने वाली टेस्ट सीरीज पर मुहर लगा दी है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) के लिहाज से बेहद अहम मानी जाने वाली इस सीरीज में दोनों टीमें दो मैचों में आमने-सामने होंगी। हालांकि, अभी तक इन मुकाबलों की सटीक तारीखों का आधिकारिक ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन माना जा रहा है कि यह टेस्ट मैच 15 से 27 अगस्त के बीच खेले जाएंगे।

लंका प्रीमियर लीग के बाद होगा घमासान

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत और श्रीलंका के बीच यह महत्वपूर्ण टेस्ट सीरीज लंका प्रीमियर लीग (LPL) के समापन के तुरंत बाद आयोजित की जाएगी। लंका प्रीमियर लीग का खिताबी मुकाबला 9 अगस्त को खेला जाना है। इस टेस्ट सीरीज के अलावा, इसी दौरे पर भारत और श्रीलंका के बीच तीन टी20 मैचों की सीरीज खेले जाने की भी चर्चा

जोरों पर है, हालांकि इस पर अंतिम फैसला आना बाकी है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया इस समय श्रीलंका में ही मौजूद हैं और उम्मीद जताई जा रही है कि वह श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड के अधिकारियों के साथ इस टेस्ट सीरीज और संभावित टी20 सीरीज के पूरे कार्यक्रम पर विस्तार से चर्चा करेंगे। ज्ञात हो कि बीसीसीआई ने श्रीलंका में चक्रवात दितवाह से प्रभावित लोगों की मदद के लिए फंड जुटाने के उद्देश्य से एक चैरिटी टी20 सीरीज खेलने का वादा किया था।

सितंबर महीने में भारतीय टीम का शेड्यूल है बेहद व्यस्त

अगर भारत और श्रीलंका के बीच तीन मैचों की यह टी20 सीरीज आयोजित होती है, तो इसे सितंबर महीने में ही कराया जा सकेगा, लेकिन उस दौरान टीम इंडिया का कार्यक्रम पहले से ही काफी व्यस्त है। सितंबर में भारतीय टीम को बांग्लादेश के खिलाफ छह मैचों की सफेद गेंद की सीरीज खेलनी है, जिसमें तीन वनडे और तीन टी20 मैच शामिल हैं। हालांकि, दोनों देशों के बीच पिछले तनाव को देखते हुए यह दौरा अभी केवल प्रस्तावित ही है जिसे पिछले साल ही टाल दिया गया था और फिलहाल बीसीसीआई की तरफ से इस पर कोई अंतिम मुहर नहीं लगी है। बांग्लादेश सीरीज के ठीक बाद भारत को अपनी घरेलू सरजमीं पर वेस्टइंडीज की मेजबानी करनी है। इसी व्यस्त महीने में 9 सितंबर से 4 अक्टूबर तक एशियन गेम्स का आयोजन भी होना है। इसके अलावा, सितंबर में ही भारतीय टीम को यूएई में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन टी20 मैचों की एक और महत्वपूर्ण सीरीज खेलनी है। ऐसे में क्रिकेट के इस महाकुंभ के बीच समय निकालना बीसीसीआई के लिए एक बड़ी चुनौती साबित हो सकता है।

श्रेयस अय्यर का 100! बतौर कप्तान हासिल की बड़ी उपलब्धि, धोनी-कोहली और रोहित की लिस्ट में शामिल

नई दिल्ली, (आरएनएस)। श्रेयस अय्यर ने अपने आईपीएल करियर में एक और मील का पत्थर जोड़ लिया है. वो बतौर कप्तान 100 आईपीएल मैच पूरे करने वाले पांचवें खिलाड़ी बन गए हैं. अय्यर ने ये उपलब्धि आईपीएल 2026 के 61वें मैच (पीबीकेएस बनाम आरसीबी) में हासिल की. इसके साथ ही अय्यर टूर्नामेंट के इतिहास के कुछ सबसे सफल कप्तानों की लिस्ट में शामिल हो गए. अय्यर से पहले ये उपलब्धि सिर्फ एमएस धोनी, गौतम गंभीर, विराट कोहली और रोहित शर्मा ही हासिल कर पाए हैं।

31 साल के अय्यर ने आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और पंजाब किंग्स की कप्तानी की. इस दौरान उन्होंने इन तीन टीमों को अपनी कप्तानी में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया।

अय्यर ने सबसे पहले 2018 में दिल्ली कैपिटल्स की कमान संभाली थी और 41 मैचों में कप्तानी की. इस दौरान उन्होंने दिल्ली को 2019 में सात साल बाद प्लेऑफ में पहुंचाया और 2020 में उसके पहले आईपीएल फाइनल तक पहुंचाया था।

सूर्यकुमार को लेकर फैसला करेगा बीसीसीसीआई, गंभीर की सलाह रहेगी अहम

मुम्बई (ए.)। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से अच्छा नहीं रहा है जिससे उनकी कप्तानी खतरे में पड़ गया है। ऐसे में अनुमान है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) शीघ्र ही उनके मामले में कोई फैसला ले सकता है। हाल ही में सूर्यकुमार की कप्तानी में भारतीय टीम ने टी20 विश्वकप जीता था पर माना जा रहा है कि बोर्ड अब भविष्य को देखते हुए नये कप्तान पर विचार कर सकता है। ऐसे में बोर्ड की बैठक में चयन समिति और बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया सूर्यकुमार के भविष्य पर अनौपचारिक रुप से बात कर सकते हैं। इस दौरान भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर की सलाह काफी अहम मानी जा रही है। ये भी कहा जा रहा है कि गंभीर की सलाह से ही तय होगा कि सूर्यकुमार को कप्तान बनाये रखा जाये या किसी और को अवसर दिया जाये।

यदि सूर्यकुमार यादव को कप्तानी से हटाया जाता है, तो एक बल्लेबाज के तौर पर भी उनकी राष्ट्रीय टीम में जगह खतरे में पड़ सकती है। ऐसे में एक विकल्प यह भी सुझाया जा रहा है कि उन्हें आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज में कप्तान के तौर पर ही अवसर दिया जाये। इन सीरीज में उनके बल्लेबाजी प्रदर्शन के आधार पर ही उनके भविष्य पर कोई अंतिम फैसला लिया जा सकता है।

सूर्यकुमार के प्रदर्शन में निरंतरत की कमी है। पिछले साल उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। वह 21 मैचों में केवल 218 रन ही बना पाये। इस दौरान वह पूरे साल एक भी अर्धशतक नहीं लगा पाए। उनका औसत 13.62 और स्ट्राइक रेट 123.16 का रहा है। साल 2026 में उनकी कप्तानी में टीम ने खिताब जीता पर उनका स्वयं का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। आईपीएल 2026 में भी वह रन नहीं बना पा रहे हैं। उन्होंने अब तक 14 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 4 अर्धशतकों के साथ 484 रन बनाए हैं, औसत 44 और स्ट्राइक रेट 161.33 रहा है।

उनकी कप्तानी का रिकॉर्ड हालांकि प्रभावशाली है। सूर्यकुमार की कप्तानी में भारतीय टीम ने अब तक 52 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जिनमें से 40 में जीत हासिल की है, जबकि 8 में हार का सामना करना पड़ा और 2 मैच टाई रहे है।

वैभव सूर्यवंशी ने तोड़ा कोहली-अभिषेक का बड़ा रिकॉर्ड, क्या क्रिस गेल को भी छोड़ेंगे पीछे ?

नईदिल्ली, (ए.)। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रिकॉर्ड तोड़ने का अपना सिलसिला जारी रखे हुए हैं. इसी कड़ी में, राजस्थान रॉयल्स के ओपनर वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल में छक्कों का एक नया रिकॉर्ड बनाया है. वह आईपीएल के एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं.वैभव ने अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ राजस्थान के मैच के दौरान यह उपलब्धि हासिल की. सूर्यवंशी ने मैच में 21 गेंदों में 46 रनों की तूफानी पारी खेली, जिसमें तीन छक्के भी शामिल थे. इसके साथ इस सीजन में उनके छक्कों की कुल संख्या 43 हो गई. जिसके साथ एक ही सीजन में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है.इससे पहले ये रिकॉर्ड सनराइजर्स हैदराबाद के ओपनिंग बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के नाम था. उन्होंने 2024 के सीजन में कुल 42 छक्के लगाए थे।

ठेकेदार को ही मिलना है अमृत, नागरिकों को तो तीन चार वर्षों से विष ही मिल रहा

मजबूत सड़कों को खोदने का अभियान जारी, दो दिन तक रोक दिया जाता है रास्ता अभी सड़कों के लिए नागरिकों को किया जा रहा परेशान, भविष्य में पानी के लिए होंगे

नर्मदापुरम(निप्र)। शहर में बे-मतलब की अमृत योजना न जाने कब तक चलती रहेगी। नागरिकों को परेशान करते रहेगी। इस योजना का कार्य पिछले तीन वर्ष से अधिक समय से चल रहा है। शहर की मजबूत सड़कों को खोदने का अभियान हर कभी शुरू हो जाता है। कभी लेबर के द्वारा कभी जेसीबी के द्वारा सड़कों की खुदाई कर पाइपों को जमीन के नीचे गाड़ने की कवायद चलती रहती है। नागरिकों को अब शक होने लगा है कि यह योजना कभी सफल होगी भी या नहीं। क्योंकि हर कभी कहीं भी पाइप लाइन डलने लगती है। आड़ी तेड़ी कैंसी भी पाइप लाइन डाली जाती है। जिससे आने वाले समय में हर कहीं से पाइप लाइन से पानी का रिसाब होगा। नागरिकों के निवास तक पानी पहुंचेगा भी या नहीं इसमें संशय है। नागरिकों में आपस में चर्चा हो रही है कि इस योजना से नागरिकों को तो शायद ही कोई लाभ हो इससे पहले की भी एक जलावर्धन योजना आई थी उससे भी कोई फायदा शहर वासियों को नहीं को सका। नर्मदा तट के नागरिकों को गर्मी के मौसम में पेयजल संकट झेलना पड़ रहा है। शासन प्रशासन की समस्या हल कराने पर जोर दे रहा है। गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। शहर में पेयजल के प्रबंध के लिए भेजी गई करोड़ों की राशि की बंदरबांट होने के कारण शहरवासियों को पीने के पानी के लिए परेशान होना पड़ रहा है। अनेक बड़ी- बड़ी पानी की टंकियां हैं लेकिन वे सफेद हाथी साबित हो रही हैं। नर्मदा जल का कनेक्शन हो या ट्यूबवेल का हो अनेक वार्ड के नागरिक पानी के लिए परेशान हो रहे हैं। जबकि बड़ी संख्या में लोगों ने स्वयं के जेट पंप खुदवा लिए हैं। लेकिन जो नल कनेक्शन वाले उपभोक्ता हैं। उनको प्रेशर नहीं मिलने से दो तरह से परेशानी हो रही है। उन्हें मोटर खरीदनी पड़ रही है जिसे नल में लगाकर पानी खींचना पड़ता है। इसके कारण उनके बिजली के बिल ज्यादा आ रहे हैं। जिनके पास मोटर नहीं उन्हें पानी नहीं मिल रहा है। उन्हें दूर से पानी लाकर गुजारा करना पड़ रहा है। नपा के अधिकारी कर्मचारी हाथ पर हाथ रखे बैठे हुए हैं। कमजोर मोटरों से पानी ही नहीं चढ़ पाता है। नपा के जल प्रदाय प्रभारियों सुपरवाईजरों से लोग बार- बार जल प्रदाय व्यवस्था सुधारने की मांग कर रहे हैं। लेकिन उसका उन पर कोई असर नहीं पड़ रहा है क्योंकि उनके वश में कुछ रह ही नहीं गया है। शहर के बालागंज के बबलू खान, कोठीबाजार के रोहित कुमार, संजय सिंह आदि अनेक लोगों ने बताया कि पानी की टंकी और ट्यूबवेल का प्रेशर बनाकर जल प्रदाय किया जाता है तब भी पानी नहीं मिल पा रहा है। नगर पालिका पानी उपलब्ध कराने में फेल हो रही है। बीते कुछ दिनों से पानी की पूर्ति नहीं हो पा रही है।

हाईसिंग बोर्ड का मार्ग ही रोक दिया

हाईसिंग बोर्ड की ओर जल प्रदाय की पाइप लाइन डाली जा रही है। जिससे यहां पर मुख्य मार्ग की सड़क को खोदकर उसके नीचे पाइप लाइन डालने के कार्य के चलने के दौरान दो दिनों से मुख्य मार्ग को ही रोक दिया। लोगों को दूसरे मार्ग से आना जाना करना पड़ा। सड़कों को खोदने के बाद ऐसा ही पड़ा रहना है।

पाइप सही ड़ल रहा या नहीं जांच होनी चाहिए

जो पाइप डाले जा रहे हैं उनकी इस समय पर जांच होनी चाहिए कि वह सही डल रहे हैं या कोई खामी है इसकी बड़े इंजीनियर से जांच होनी चाहिए क्योंकि पाइप जमीन के नीचे डल रहे हैं।

पूर्व इंजीनियर के कारनामें को भुगत रहा शहर

ऐसा ही पहले एक रमेश वर्मा नाम के इंजीनियर ने रात में कमाल दिखाकर जलावर्धन योजना की राशि हड़प कर खुद के तथा उसके लग्गे भग्गे के बारे न्यारे करके चला गया अब उसके कारनामें शहर भुगत रहा है। लोग पानी को तरस रहे हैं।

संभावित बाढ़ प्रबंधन हेतु सभी तैयारियां मानसून पूर्व पूर्ण करें : कलेक्टर सोमेश मिश्रा

कलेक्टर ने बाढ़ आपदा प्रबंधन की समीक्षा बैठक के दौरान दिए आवश्यक प्रबंधात्मक दिशा निर्देश

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने जिले में आगामी वर्षाकाल के दौरान संभावित बाढ़ की स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने हेतु सोमवार को आयोजित समीक्षा बैठक में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुरक्षात्मक एवं प्रबंधात्मक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने समस्त अनुविभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि बाढ़ प्रबंधन से संबंधित सभी आवश्यक तैयारियां मानसून पूर्व ही पूर्ण कर ली जाएं। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि बीते वर्षों में बाढ़ से प्रभावित हुए नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों को चिन्हित कर उनका डाटा संकलित किया जाए तथा उसकी विस्तृत समीक्षा की जाए। उन्होंने कहा कि राहत एवं पुनर्वास कार्यों के लिए पहले से राहत केंद्र निर्धारित कर वहां सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने जिला स्तर पर बाढ़ प्रबंधन के लिए कंट्रोल रूम स्थापित करने तथा उसमें कार्यरत कर्मचारियों के ड्यूटी आदेश जारी करने के निर्देश दिए। कंट्रोल रूम 24×7 संचालित किया जाएगा, इसी अनुसार कर्मचारियों की ड्यूटी निर्धारित की जाएगी। कलेक्टर ने होमगार्ड विभाग को निर्देशित किया कि बाढ़ प्रबंधन में उपयोग होने वाले सभी संसाधनों एवं उपकरणों की समय रहते जांच सुनिश्चित करें। साथ ही प्रत्येक अनुविभाग में प्रशिक्षित क्विक रिस्पांस टीम गठित कर उन्हें आपदा प्रबंधन संबंधी प्रशिक्षण देने के निर्देश भी दिए।

सात दिनी श्रीराम कथा एवं शिवपुराण पाठ का आयोजन

कलश यात्रा में शामिल हुए धर्मप्रेमी

बनखेड़ी(निप्र)। सात दिवसीय श्रीराम कथा एवं शिवपुराण पाठ का अयोजन शुरू हो गया है। जिसके शुभारंभ अवसर पर कलश यात्रा निकाली गई जिसमें धर्मप्रेमी श्रद्धाभाव के साथ शामिल हुए। माँ नर्मदा जी की असीम अनुकम्पा से श्रीराम कथा एवं शिवपुराण पाठ का आयोजन सोमवार 18 मई 2026 को प्रात: 9 बजे ग्राम करैया बनखेड़ी में कलश यात्रा के साथ सात दिनी धर्म कार्य का श्री गणेश हो गया है। आयोजकों ने बताया कि रविवार 24 मई को पूर्णहुति होगी। कथा समय दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक रहेगा। व्यासगादी से चित्रकूटकूट धाम से पूज्य राष्ट्रीय विदूषी मानस तत्त्वावेषिका पंडित नीलम गायत्री जी के श्री मुख से कथा का रसपान श्रद्धालुओं को होगा। आयोजन कर्ता का आग्रह करते हैं कि समस्त ग्रामवासी क्षेत्रवासी बड़ी संख्या में पधारकर कथा अमृत रसपान कर धर्म लाभ प्राप्त करें। नर्मदापुरम जिले के बनखेड़ी विकासखंड स्थित ग्राम करैया के कथा आयोजन कर्ता समाजसेवीरनवीर सिंह पटेल भगवानदास पटेल परमेश्वरदास पटेल हेमराज पटेल ने सभी धर्मप्रेमी भक्तों से कथा श्रवण करने आग्रह किया है। व्यवस्था टीम शिवकांत पटेल शिवम पटेल, अरविंद पटेल टीकाराम पटेल नीलेश पटेल बृजेश पटेल प्रदीप पटेल रामसिंह पटेल विश्राम पटेल ऋषभ पटेल रिदित पटेल सिद्धार्थ पटेल नंदनी पटेल समेत सभी ग्रामवासियों ने धर्मप्रेमी जनों से कथाअमृत रसपान करने की अपील की है।

अनुकंपा नियुक्ति के मामलों में संवेदनशीलता बरतें अधिकारी, आपसी समन्वय एवं नियमित मॉनिटरिंग से करें लंबित मामलों का निराकरण: कलेक्टर सोमेश मिश्रा

समय सीमा की बैठक के दौरान कलेक्टर श्री मिश्रा ने विभागीय समीक्षा करते हुए अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा निर्देश

नर्मदापुरम(निप्र)। आवारा गौवंश को अभियान चलाकर गौशालाओं में स्थानांतरित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। अनुकंपा नियुक्ति के मामलों में संबंधित विभागीय अधिकारी संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए उनका निराकरण करें। सीमांकन एवं नामांतरण के मामलों के निराकरण के लिए राजस्व विभाग अभियान मोड में कार्य करें। पीएम श्रमयोगी मानधन योजना के तहत अधिक से अधिक हितग्राहियों को योजना का लाभ मिले। सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों के निराकरण में अधिकारी जवाब देही के साथ करें कार्य। ज्ञान भारतम् मिशन के अंतर्गत हस्तलिखित विरासत के सर्वेक्षण संरक्षण एवं डिजिटलीकरण के लिए समस्त अनु विभागों में सभी संबंधित विभाग तत्परता से कार्य करें। उक्त निर्देश कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने सोमवार को आयोजित समय सीमा की बैठक के दौरान संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी पुरी जवाब देही के साथ सभी विषयों में आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने सोमवार को आयोजित समय-सीमा की बैठक में विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों की प्रकरणवार समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि समय-सीमा के सभी मामलों में निर्धारित समयावधि का विशेष ध्यान रखा जाए तथा प्रकरणों का समय पर निराकरण सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि लंबित मामलों के निराकरण में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और सभी अधिकारी जवाबदेही के साथ कार्य करें। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन मामलों में विभागों द्वारा कंप्लायंस दर्ज की जा चुकी है, उन प्रकरणों को नियमानुसार विलोपित किया जाना भी सुनिश्चित किया जाए, ताकि अनावश्यक रूप से प्रकरण लंबित न रहें।कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने समय-सीमा की बैठक के दौरान सभी अनुविभागों में अभियान चलाकर व्यवस्थित रूप से आवारा गौवंश को गौशालाओं में स्थानांतरित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि इस कार्य को गंभीरता एवं समन्वय के साथ अभियान मोड में संचालित किया जाए, ताकि सड़कों एवं सार्वजनिक स्थानों पर विचरण कर रहे गौवंश से होने वाली समस्याओं का समाधान हो सके।कलेक्टर श्री मिश्रा ने निर्देशित किया कि गौशालाओं में रखे गए गौवंश की पशुपालन विभाग के डॉक्टरों द्वारा नियमित स्वास्थ्य जांच कराई जाए। बैठक में कलेक्टर ने यह भी कहा कि यदि पशुपालकों द्वारा अपने गोवंश को खुला छोड़ा जा रहा है तो उन्हें समझाइश दी जाए तथा समझाइश के बाद भी यदि संबंधित पशुपालकों के व्यवहार में सुधार नहीं होता है तो उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए।बैठक के दौरान कलेक्टर द्वारा अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों की समीक्षा करते हुए समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि अनुकंपा नियुक्ति के मामलों में संवेदनशीलता के साथ कार्य करें। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि विभागों में लंबित अनुकंपा नियुक्ति मामलों की अधिकारियों द्वारा नियमित समीक्षा की जाए। उन्होंने सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग को निर्देशित किया कि पेंशन, सहित अन्य भत ?तों के लंबित प्रकरणों को सूचीबद्ध करें तथा सभी मामलों में आवश्यक कार्रवाई करते हुए मामलों का निराकरण करें। कलेक्टर ने समस्त अनुविभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि सीमांकन एवं नामांतरण के लिए अभियान मोड में कार्य करें। सभी अधिकारी समय सीमा का निर्धारण करते हुए उक्त समस्त मामलों का निराकरण करें।उन्होंने कहा की पीएम श्रमयोगी मानधन योजना अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को योजना का अधिक से अधिक लाभ मिले यह सुनिश्चित किया जाए।

नर्मदापुरम विधायक की अनुशंसा पर 02 निर्माण कार्य हेतु

02 लाख 50 हजार रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति जारी

नर्मदापुरम(निप्र)। नर्मदापुरम विधायक डॉ. सीता सरन शर्मा की अनुशंसा पर कलेक ?टर श्री सोमेश मिश्रा द्वारा विधायक निधि से 02 निर्माण कार्यो के लिए 02 लाख 50 हजार रूपये की प्रशासकीय स ?वीकृति जारी की गई है।जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय नर्मदापुरम से प्राप ?त जानकारी के अनुसार नर्मदापुरम विधायक डॉ. सीता सरन शर्मा की अनुशंसा पर जनपद पंचायत नर्मदापुरम के ग्राम साकेत स्थित शासकीय हाईस ?कूल साकेत में साईकिल स ?टेंड/टीन शेड निर्माण के लिए 01 लाख 50 हजार रूपये एवं जनपद पंचायत नर्मदापुरम के ग्राम साकेत स्थित शासकीय हाई स ?कूल साकेत में मंच पर टीन शेड निर्माण के लिए 01 लाख रूपये की प्रशासकीय स ?वीकृति प्रदान की गई है।

मोहासा में श्रमिक पंजीयन शिविर आयोजित, श्रम योजनाओं की दी गई जानकारी

नर्मदापुरम (निप्र)। माखननगर जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत मोहासा में सोमवार को श्रम निरीक्षक सुश्री सरिता साहू द्वारा प्रधानमंत्री श्रम

योगी मानधन योजना के पंजीयन हेतु शिविर का आयोजन किया गया।शिविर में ष्टस्ष्ट के माध्यम से श्रमिकों के मानधन योजना में पंजीयन की कार्यवाही की गई। साथ ही संबल योजना एवं म.प्र. भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। श्रम निरीक्षक द्वारा न्यूनतम वेतन अधिनियम, बाल एवं कुमार श्रम अधिनियम, बंधुआ श्रम अधिनियम, एवं बोनस भुगतान अधिनियम जैसे विभिन्न श्रम कानूनों के बारे में भी श्रमिकों को जागरूक किया गया।इसके अतिरिक्त श्रम निरीक्षक सुश्री सरिता साहू ने औद्योगिक क्षेत्र स्थित संस्थान ग्रेन टेक, ग्राम मोहासा तहसील माखननगर जिला नर्मदापुरम में निर्माणाधीन कार्यस्थल पर पहुंचकर वहां कार्यरत प्रवासी श्रमिकों का प्रवासी पोर्टल पर पंजीयन भी कराया।

गठित होना है कैरियर संबंधी मार्गदर्शन काउंसलर्स टीम

नर्मदापुरम (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन की कैरियर काउंसलिंग योजना के अंतर्गत जिला रोजगार कार्यालय के माध्यम से इच्छुक आवेदकों को कैरियर संबंधी मार्गदर्शन देने हेतु काउंसलर्स की टीम गठित की जाना है। काउंसलर्स की टीम में एक मनोवैज्ञानिक के अलावा मार्गदर्शन हेतु तीन विषय विशेषज्ञ रहेंगे जो क्रमांश प्रवेश प्रतियोगी परिक्षा एवं स्वरोजगार प्रशिक्षण के संबंध में जानकारी एवं मार्गदर्शन देंगे। काउंसलर्स के नियमानुसार मानदेय दिय जायेगा। काउंसलरों के पैनल हेतु कैरियर मार्गदर्शन के क्षेत्र में अनुभव रखने वाले व्यक्ति जिला रोजगार कार्यालय नर्मदापुरम में 18 मई से 05 तक आवेदन दे सकते है। आवेदन करने हेतु जिला रोजगार कार्यालय में स्वयं आकर फार्म एवं अन्य दस्तावेज जमा करें। काउंसलर्स के पैनल में मनोवैज्ञानिक हेतु आवेदन के लिए मनोवैज्ञानिक में स्नातकोत्तर डिग्री या पीजी डिप्लोमा अनिवार्य है। विषय विशेषज्ञ हेतु आवेदन के लिये एडमीशन तथा स्कॉलरशिप प्रवेश एवं प्रतियोगी एवं रोजगार प्रशिक्षण के क्षेत्र में मार्गदर्शन एवं परामर्श देने का अनुभव एवं योग्यता रखना अनिवार्य है। आवेदन संबंधी अन्य जानकारी हेतु जिला रोजगार कार्यालय के कार्यालयीन समय पर संपर्क किया जा सकता है।

एनसीसी के 10 दिवसीय शिविर में कैडेट्स को मिल रही जीवनोपयोगी जानकारी

एनसीसी का शिविर ज्ञानोदय विद्यालय के समीप आयोजित किया जा रहा है।

नर्मदापुरम (निप्र)। कैंप सूबेदार राकेश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि 10 दिवसीय ये कैंप कैंप कमांडेंट कर्नल एस पी सिंह, डिप्टी कैंप कमांडेंट लेफ्टिनेंट कर्नल विवेक सिंह चुंडावत के दिशा निर्देश में 11 मई से चल रहा है कैंप के पांचवे दिन एसडीआरएफ राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल द्वारा 13 मध्यप्रदेश बटालियन नर्मदापुरम द्वारा आयोजित कैंप में एनसीसी कैडेट्स को प्रशिक्षण दिया गया। उक्त इस आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य युवाओं को आपात स्थितियों प्राकृतिक आपदाओं जैसे बाढ़ भूकंप भूस्खलन के समय बचाव कार्य और प्राथमिक उपचार के लिए तैयार करना है। बचाव कार्यों में उपयोग किए जाने वाले आधुनिक उपकरणों जैसे कि रस्से स्ट्रेचर और लाइफ जैकेट के सही उपयोग की जानकारी देना रहा वही कैंप के छठवें दिन नर्मदापुरम पुलिस और यातायात विभाग के अधिकारियों द्वारा एनसीसी कैडेट्स को सड़क सुरक्षा के सभी महत्वपूर्ण नियमों ;जैसे सीट बेल्ट का महत्व हेलमेट पहनना ओवर.स्पीडिंग से बचाव की विस्तृत जानकारी एएसआई प्रमोद पटेल के द्वारा दी गई। उन्होंने कैडेट्स को सड़कों पर उतरकर वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने की शपथ दिलवाई और नियमों का पालन न करने वालों को जागरूक करने के लिए कहा। वीएचएम पूरन मिश्रा ने एनसीसी केडिट्स को नियमित ड्रिल कैंपिंग और सामाजिक सेवा के माध्यम से अपने चरित्र का निर्माण करने पर जागरूक किया। सूबेदार मेजर वीसी तिलक ने एनसीसी कैडेटों को सशस्त्र बलों की कार्यप्रणाली से परिचित कराया। जिसका मुख्य उद्देश्य देश के युवाओं में नेतृत्व क्षमता चरित्र और राष्ट्रभक्ति के गुण विकसित करना है।

एनसीसी प्रशिक्षण के बारे में एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर विजय प्रकाश श्रीवास्तव ने एनसीसी कैडेट्स को जीवन में आगे बढ़ने अनुशासन शारीरिक फिटनेस और नेतृत्व के गुणों पर ध्यान देने हेतु प्रेरित किया। यह प्रशिक्षण उन्हें एक बेहतर नागरिक और भविष्य के सफल लीडर के रूप में तैयार करता है उनके नेतृत्व में एनसीसी केडिट्स फ्लैग एरिया की तैयारी रंगोली से कर रहे हैं। हवलदार भंवर लाल द्वारा एनसीसी केडिट्स को फायरिंग के टिप्स सिखलाए उनके दिशा निर्देश में एनसीसी केडिट्स गार्ड ऑफ ऑन की शिक्षा बेहतर तरीके से ले रहे हैं। इसी क्रम में कैंप के सातवें दिन हवलदार घमंडा राम एनसीसी केडिट्स को मैप रीडिंग कैसे की जाती है कि सिखलाई दी। सेकेंड आफिसर शेख कमर प्रशिक्षण में नियमित रूप से केडिट्स को खेल प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं वहीं लेफ्टिनेंट संतोष अहिरवार कैप्टन एक इन मालवीय कैडेट्स को ड्राइंग ओर कल्चरल की तैयारी करा रहे हैं। जिला चिकित्सालय के डॉ नीलेश राठौर एवं हवलदार सचिन कुमार केडिट्स के स्वास्थ का नियमित चेकअप कर उचित दवाइयां वितरित कर रहे हैं।

आरोह 2026 योजना अंतर्गतकेसला में खेल के साथ मनोरंजन, व्यक्तित्व विकास और स्वास्थ्य पर जोर

नर्मदापुरम (निप्र)। खेल एवं युवा कल्याण विभाग, मध्य प्रदेश की आरोह 2026 योजना के अंतर्गत जनजातीय बाहुल्य विकासखंड केसला में ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। 01 मई 2026 से शुरू हुए ये शिविर तीन अलग-अलग स्थानों पर आयोजित किए जा रहे हैं, ग्राम पंचायत जामनी के हायर सेकेंडरी स्कूल मैदान में प्रशिक्षक सुमित यादव द्वारा कबड्डी का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ऑर्डिनेंस फैक्ट्री खेल परिसर में प्रशिक्षक विकास कोरी के नेतृत्व में हॉकी के गुर सिखाए जा रहे हैं, एवं शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल पथरोटा में प्रशिक्षक जगन वारसे द्वारा वालीबॉल एवं एथलेटिक्स का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला-नर्मदापुरम (म0प्र0)

ई-मेल-modgmhos@mp.gov.in

क्रमांक/............/ खनिज/2026-27 — नर्मदापुरम, दिनांक /....../....../2026

म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 18(1-क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा प्राप्त करने के लिए,

द्वितीय सूचना

यह सूचित किया जाता है कि, आवेदक मेसर्स सांवरिया सप्लायर, प्रो0 श्री रामकृष्ण शर्मा आ0 श्री आर.बी. शर्मा, नि0-जुमेराती नर्मदापुरम, तहसील व जिला-नर्मदापुरम (म0प्र0) द्वारा मुरूम खनिज उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ई-खनिज पोर्टल से ऑनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 10/02/2026 को प्रस्तुत किया गया है। इस क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत करने हेतु प्रथम सूचना क्रमांक-MIN/0104/2026-O/oMRD-NDPM-COLL I/839192/2026 दिनांक 24/02/2026 (विज्ञापन क्रमांक-जी26582/25 दिनांक 28/02/2026) प्रकाशित की गई थी। इस क्षेत्र पर पुन: सूचना प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस तक यथास्थिति उत्खनिपट्टा आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते हैं। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नंबर	रकबा	भूमि का प्रकार शासकीय/निजी	खनिज का नाम	रिमार्क
नर्मदापुरम	डोलरिया	टेमलाकलॉ	31/1	2.000 हे.	शासकीय	मुरूम	-
			कुल रकबा	2.000 हे.			

1- उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 05:30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।
2- यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन पत्र प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक प्रथम सूचना से प्राप्त आवेदन को शामिल करते हुए 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
3- यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं तो उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
4- यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।
5- निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

जी/13050/26

जिला खनि अधिकारी
जिला-नर्मदापुरम (म0प्र0)

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें,अपनी व दूसरों की जान बचायें

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिटंर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित।
स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com